दिव्य दिनकर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :252 रांची (झारखंड) मंगलवार,24 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

बाल मजदूरों को मुक्त कराने में बिहार देश में दूसरे स्थान पर, 2024-25 में 3,974 बच्चे छुड़ाए गए

एजेंसी

पटना। बाल श्रम और बच्चों की ट्रैफिकिंग से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ चलाए गए अभियानों में वर्ष 2024-25 में बाल मजदूरों को मुक्त कराने के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर रहा। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठनों ने इस दौरान कुल 53,651 बाल मजदूरों को मुक्त कराया। जिसमें 3,974 बच्चे बिहार से छुड़ाए गए। बाल मजदूरों को मुक्त कराने में तेलंगाना शीर्ष पर रहा जहां 11,063 बच्चे छुड़ाए गए।

जेआरसी के सहयोगी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के शोध प्रभाग सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की बाल श्रम के संबंध में एक रिपोर्ट 'बिल्डिंग द केस फॉर जीरो - हाउ प्रासीक्यूशन एक्ट्स ऐज टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड लेबर' में उजागर हुए, रिपोर्ट के अनुसार मुक्त कराए गए बच्चों में 90 प्रतिशत उन क्षेत्रों में काम कर रहे थे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन व भारत सरकार बाल मजदूरी का सबसे बदतरीन स्वरूप मानती है। इन छापों के बाद 38,388 मामले दर्ज किए गए और 5,809 गिरफ्तारियां हुईं। इनमें 85 प्रतिशत गिरफ्तारियां बाल मजदूरी के मामलों में हुईं। यह रिपोर्ट 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच देश के 24 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों के 418 जिलों में काम कर रहे जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठनों के बाल श्रम और ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को मुक्त कराने के लिए की गई छापामार कार्रवाई के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट में समग्र नीतिगत बदलावों, सरकारी खरीदों में बाल श्रम का इस्तेमाल कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति, खतरनाक उद्योगों की सूची के विस्तार, राज्यों को उनकी विशेष जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने, बाल मजदूरी के खात्मे के लिए सतत विकास लक्ष्य 8.7 की समय सीमा को 2030 तक बढ़ाने, दोषियों के खिलाफ सख्त व त्वरित कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सबसे ज्यादा तेलंगाना में 7,632 छापे मारे गए जबकि इसके बाद उत्तर प्रदेश (2,469), राजस्थान (2,453) और मध्यप्रदेश (2,335) रहे। यह दर्शाता है कि देशभर में चलाए गए बाल मजदूरी विरोधी अभियान प्रभावी रहे हैं, लेकिन स्थायी बदलाव तभी आएगा जब कानून का डर और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। रिपोर्ट बताती है कि छापेमारी के साथ बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराने में भी तेलंगाना अव्वल रहा वर्ष 2024-25 में बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराने में तेलंगाना देश में अव्वल रहा जहां 11,063 बच्चे छुड़ाए गए जबकि इसके बाद बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली का स्थान है। बिहार में 3,974, राजस्थान में 3,847, उत्तर प्रदेश में 3,804 और दिल्ली में 2,588 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया। जेआरसी के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने बातचीत में कहा कि ÷इतनी बड़ी संख्या में बच्चों का बाल श्रम के सबसे वीभत्स स्वरूपों में इस्तेमाल यह बताता है कि सरकार व नागरिक समाज के तमाम प्रयासों के बावजूद बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराने का हमारा राष्ट्रीय संकल्प अभी अधूरा है। देश अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के कन्वेंशन 182 यानी बाल श्रम के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता देश है जिसमें बाल श्रम के सभी खतरनाक स्वरूपों को खत्म करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

विस उपचुनाव: गुजरात के विसावदर सीट पर आआपा, कडी सीट पर भाजपा विजयी

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के विसावदर और कडी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के नतीजे सोमवार को मतगणना के बाद घोषित कर दिए गए। विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के उम्मीदवार गोपाल इटालिया और कडी सीट पर भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र कुमार ने जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, विसावदर सीट पर आआपा के इटालिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 17,554 मतों से हराया। इटालिया को 75,942 और पटेल को 58,388 मत मिले। वहीं, कडी सीट पर भाजपा के राजेंद्र कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रमेशभाई चावड़ा को 39,452 मतों से पराजित किया। राजेंद्र कुमार को 99,742 और चावड़ा को 60,290 मत मिले। चुनावी नतीजे के बाद अपनी प्रतिक्रिया में इटालिया ने कहा कि यह जीत आम आदमी पार्टी के लिए गुजरात में एक मजबूत राजनीतिक उपस्थिति का संकेत है। उन्होंने इसे जनता की ईमानदार राजनीति की जीत बताया।

कालीगंज उपचुनाव की जीत मां, माटी और मानुष की है : ममता बनर्जी

कोलकाता। कालीगंज विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मतगणना जारी है। अभी तक हुई मतगणना में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार अलिफा अहमद भारी बहुमत से जीत दर्ज करने की कगार पर हैं। इस बीच पार्टी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जारी मतगणना से मिल रहे रुझानों को जीत का संकेत मानते हुए कहा कि यह मां, माटी और मानुष की जीत है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कालीगंज उपचुनाव में हर धर्म, जाति, समुदाय और समाज के सभी वर्गों के लोगों ने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल कर तृणमूल कांग्रेस को आशीर्वाद दिया। मैं नतमस्तक होकर सबको अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूं। आपने हमें आशिर्वाद दिया। यह जीत मां, माटी और मानुष की है। मुख्यमंत्री ने चुनाव में मेहनत करने वाले अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की भी सराहना की और कहा कि कालीगंज में तृणमूल के कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर इस सफलता के लिए मेहनत की। मैं उन्हें हार्दिक बधाई देती हूं। ममता बनर्जी ने इस जीत को दिवंगत विधायक नासिरुद्दीन अहमद को समर्पित करते हुए कहा कि यह जीत बंगाल की मां, माटी और मानुष को समर्पित है।

मौसम खराब होने की वजह से शाह का नारायणपुर दौरा रद्द

रायपुर। रायपुर, मौसम ,खराब, होने, वजह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नारायणपुर, दौरा, रद्द,रायपुर, मौसम ,खराब, होने, वजह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नारायणपुर, दौरा, रद्द,शाह का सोमवार को प्रस्तावित नारायणपुर दौरा अचानक रद्द हो गया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मौसम खराब होने की वजह से केंद्रीय गृह मंत्री का दौरा रद्द हुआ है। श्री शाह रायपुर में ही नारायणपुर के जवानों से मुलाकात कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे श्री शाह की नाराजगी और असंतुष्टि से जोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि श्री शाह शायद अबूझमाड़ के कार्यक्रम को लेकर संतुष्ट नहीं होंगे, इसलिए वहां नहीं गये। कार्यक्रम को लेकर या सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जानकारी नहीं आई होगी जिसके कारण श्री शाह को दौरा रद्द करना पड़ा।इससे पहले श्री शाह के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने पुलिस कैंप, इरकभट्टी में पूरी तैयारी कर ली थी। वन मंत्री केदार कश्यप क्षेत्र में सारी तैयारी को देख रहे थे। गौरतलब है कि श्री शाह का नारायणपुर दौरा रद्द होने की जानकारी रविवार देर रात आयी।

पायलट ने शाह के दौरे को लेकर उन पर साधा निशाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे और उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ भाषण से नहीं, जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए। श्री पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस हमेशा हिंसा के खिलाफ खड़े रहे हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ भाषण देने से काम नहीं चलेगा, ज़मीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ध्रुवीकरण नहीं जाना चाहिए। जो भी कदम उठाए जाएं, वे पारदर्शी और प्रभावी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सोच-समझकर सख्त फैसले लेने की जरूरत है और जो भी निष्कर्ष निकले, उसका वास्तविक लाभ जनता तक पहुंचे, सिर्फ भाषणों से नहीं, बल्कि जमीनी काम से फर्क पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के डेढ़ साल के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह लचर रही है और राज्य में केंद्र सरकार का हस्तक्षेप भी काफी बढ़ गया है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार को जनता के मुद्दों पर जवाबदेह बनाया जाए। इन सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए आगामी मानसून सत्र के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी। श्री पायलट ने कांग्रेस मुख्यालय, राजीव भवन में होने वाली बैठकों को लेकर बताया कि आज पूरे प्रदेश से पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य, जिला कांग्रेस अध्यक्ष और विभिन्न संगठनों के प्रमुख की बैठक ली जाएगी। इन बैठकों में सभी से रिपोर्ट ली जाएगी और उसी के आधार पर आने वाले समय के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए श्री पायलट का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जेपी नड्डा ने बलिदान दिवस पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पार्टी मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नड्डा ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा डॉ. मुखर्जी जी की 72वीं पुण्यतिथि पर उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नड्डा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जन्म बंगाल में हुआ और उनका बहुत बड़ा योगदान आजादी में और वर्तमान पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम को भारत का हिस्सा बनाने में है। डॉ. मुखर्जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। वो एक स्कॉलर थे, 33 वर्ष की आयु में वो कलकत्ता यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर बने। जनसेवा और राष्ट्रोत्थान के उनके विचार एवं कार्य हम सभी देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत हैं। डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाये रखने के लिए वैचारिक और राजनीतिक रूप से आजीवन संघर्षरत रहे। देश में सांस्कृतिक

राष्ट्रवाद की लौ को चलायमान रखने के लिए उन्होंने जनसंघ के रूप में नया विचार प्रस्तुत किया। बाद में वो विधानसभा पहुंचे और विधानसभा में उन्होंने उस समय के यूनाइटेड बंगाल की सेवा की। डॉ. मुखर्जी आजादी के बाद पंडित नेहरू की कैबिनेट में मंत्री रहे। वैचारिक मतभेद और पंडित नेहरू की तुष्टीकरण की नीति के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। इसके बाद तुष्टीकरण की नीति के कारण जम्मू-कश्मीर को जो स्पेशल स्टेटस दिया गया था, उसका उन्होंने विरोध किया। विरोध करते हुए उन्होंने नारा दिया कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस कारण से देश में एक आंदोलन चला। इस आंदोलन के दौरान डॉ. मुखर्जी ने बिना किसी परमिट के 11 मई को जम्मू-कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। उनको जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर पर गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बाद उनको श्रीनगर की जेल में रखा गया, जहां 23 जून 1953 को रहस्यमय तरीके से उनकी मृत्यु हो गई। उस समय भारतीय जनसंघ बहुत छोटा था, लेकिन हम लोगों ने आवाज उठाई। विपक्ष की तरफ से भी इसकी जांच की मांग की गई, लेकिन इस मांग को अनसुना कर दिया गया। नड्डा ने कहा कि भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता को आज खुशी होती है कि 6 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को धराशायी कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम सब लोग एक देश में एक निशान के नीचे और एक विधान में काम कर रहे हैं और अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया है। आज सब लोग प्रण लें कि जिस तरीके से डॉ. मुखर्जी की रहस्यमय मौत हुई, भाजपा और मोदी जी के नेतृत्व में देश इतना शक्तिशाली और मजबूत बने की इस तरह की घटना दोबारा न हो और प्रजातंत्र मजबूत रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रांत प्रचारक बैठक दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज संघ कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में देशभर के संघ पदाधिकारी, प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा और आगामी शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर विचार करेंगे। बैठक में वर्ष 2025-26 की सरसंघचालक की प्रवास योजना, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों के क्रियान्वयन और हालिया प्रशिक्षणों की समीक्षा की जाएगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, यह अखिल भारतीय बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज में होगी। इसमें संघ के 11 क्षेत्रों के क्षेत्र प्रचारक एवं सह क्षेत्र प्रचारक और 46 प्रांतों के प्रांत प्रचारक एवं सह प्रांत प्रचारक शामिल होंगे। संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी बैठक में भाग लेंगे। मार्च 2025 में हुई प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद अप्रैल, मई और जून में सम्पन्न हुए प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा तथा आगामी योजनाओं की रूपरेखा तय करने के लिए यह बैठक विशेष

महत्व रखती है। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह एवं अखिल भारतीय कार्य विभागों के प्रमुख, सह प्रमुख और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहेंगे। प्रांत प्रचारक बैठक संघ की अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली तीन प्रमुख बैठकों में से एक है। संघ इस वर्ष को शताब्दी वर्ष के तौर पर मना रहा है।

त्रिपुरा देश में तीसरा पूर्ण साक्षर प्रदेश बना

अगरतला। त्रिपुरा गोवा और मिजोरम के बाद देश का तीसरा पूर्ण साक्षर प्रदेश बन गया है। राज्य की साक्षरता दर एक दशक से अधिक समय से 90 प्रतिशत से अधिक थी, लेकिन कुछ मापदंडों में पिछड़ रही थी, जिसे अब हासिल कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने सोमवार को एक समारोह में यह घोषणा की। श्री साह के पास शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार भी है। उन्होंने केंद्र सरकार के अधिकारियों की उपस्थिति में, देश में सार्वभौमिक शिक्षा के क्षेत्र में एक नए मानक की उपलब्धि की घोषणा की।डॉ. साहा ने कहा कि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार त्रिपुरा की साक्षरता दर 93.7 प्रतिशत थी। हालांकि उल्लास अभियान की हालिया सफलताओं के साथ यह आंकड़ा अब बढ़कर 95.6 प्रतिशत हो गया है। केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार 95 प्रतिशत से अधिक साक्षरता हासिल करने वाले राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों को 'पूर्ण साक्षरता' का दर्जा दिया जाता है। रवींद्र शताब्दिकी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में 2,000 नव-साक्षरों, स्वयंसेवकों,

प्रशिक्षकों और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों सहित सभी आठ जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राज्य ने गैर-साक्षर व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें शिक्षित करने के लिए उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम) को लागू किया जिसमें पाँच घटकों पर बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और सतत शिक्षा ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखण, उल्लास को 2022 में लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य 2027 तक देश के प्रत्येक वयस्क नागरिक को साक्षरता के दायरे में लाना है। संगठित और समर्पित प्रयासों के साथ त्रिपुरा इस मिशन में सबसे आगे रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक एनसी शर्मा ने कहा कि मिशन को लागू करने के लिए राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर पहले कई समितियों का गठन किया गया था। शैक्षिक सामग्री बंगाली, अंग्रेजी और कोकबोरोक भाषाओं में तैयार की गई थी। विशेष रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों और छात्रों को स्वयंसेवकों के रूप में लगाया गया था। श्री शर्मा ने कहा, हमारा अनुभव अद्भुत है। कुछ ने अपने आंगन में कक्षाएँ खोलीं, जबकि अन्य ने स्थानीय बाजारों में बुनियादी बातें सिखाईं। इस मील के पत्थर तक पहुँचने का सफ़र आसान नहीं था।

लुधियाना सीट से आप प्रत्याशी संजीव अरोड़ा 10637 मतों से विजयी

एजेंसी

लुधियाना। पंजाब में लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को हुई मतगणना के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा अपने निकटतम प्रतिद्धंदी कांग्रेस के भारत भूषण आशु से 10637 मतों के अंतर से विजयी रहे। श्री अरोड़ा को कुल 35179 वोट पड़े जबकि आशु को 24542 मत मिले। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जीवन गुप्ता 20232 मतों के साथ तीसरे स्थान पर और शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार एडवोकेट परुपकार सिंह घुम्मन 8203 मतों के साथ चौथे स्थान पर रहे। आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के कारण यह सीट खाली हुई थी। यह चुनाव 19 जून को हुआ था, जिसमें 14 उम्मीदवारों ने प्रतिस्पर्धा की, और 51.33 प्रतिशत मतदान हुआ। श्री अरोड़ा एक भारतीय व्यवसायी और राजनीतिज्ञ हैं, जो 10 अप्रैल 2022 से आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से राज्यसभा के सांसद के रूप में कार्यरत हैं, जो क्षेत्रीय विकास और सहकारी उद्योग प्रयासों के माध्यम से जन कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध थे। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग और हवाई अड्डे के विकास परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों को उठाया है - सबसे उल्लेखनीय रूप से लुधियाना के पास हलवारा हवाई अड्डे की परियोजना को तेज़ करना। उन्होंने लुधियाना में ईएसआई अस्पताल को अपग्रेड करने, स्थानीय रेलवे स्टेशनों में सुधार के लिए जोर देने और औद्योगिक केंद्र बिंदुओं के लिए नई सड़कों की वकालत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। अपने दोनों माता-पिता को कैंसर के कारण खो देने के बाद श्री अरोड़ा ने वंचित कैंसर रोगियों को मुफ्त उपचार प्रदान करने के लिए 15 साल पहले 'कृष्ण प्राण ब्रेस्ट कैंसर चैरिटेबल ट्रस्ट' की स्थापना की थी। ट्रस्ट ने कथित तौर पर 160 से अधिक कैंसर रोगियों को उनके उपचार की लागत को कवर करके मदद की है, और यह दवा और अनुवर्ती देखभाल के लिए धन मुहैया कराता है। कोविड-19 महामारी के दौरान, इसने स्थानीय अधिकारियों को एम्बुलेंस, पीपीई किट और अन्य संसाधन भी उपलब्ध कराए। श्री अरोड़ा लुधियाना में दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के उपाध्यक्ष भी हैं और पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की शीर्ष परिषद में थे। उन्होंने लुधियाना में सतलुज क्लब के सचिव के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं ।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल की दी सौगात, पटना से राघोपुर के बीच सफर हुआ आसान

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना में कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच बने 6 लेन के गंगा पुल का उद्घाटन किया, जिससे पटना और राघोपुर के बीच सफर आसान हो गया है। इस पुल के बनने से अब राघोपुर के लोगों को साल भर सड़क संपर्क मिलेगा और उत्तर-दक्षिण बिहार के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोकर्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का राघोपुर तक निरीक्षण भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल के लोकार्पण से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से पूरे वर्ष के लिये सड़क सम्पर्क मिलेगा। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा। आकस्मिक चिकित्सा की

स्थिति में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि इससे महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम हो गया है। उत्तर और दक्षिण बिहार के सम्पर्क के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिल गया है, जिससे आवागमन और सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पटना शहर में लगने वाले जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। पटना के पूर्वी क्षेत्र के लोगों को भी सुगम यातायात का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने दीदारगंज में कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल को जेपी गंगा पथ से जोड़नेवाले निर्माणाधीन लिंक पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेपी गंगापथ परियोजना को दीदारगंज तक पूरा कर लिया गया है। जेपी गंगापथ की तरफ से आने-जानेवाले वाहनों को कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल से सीधा संपर्क बहाल करने के लिए बचे हुए काम को एक माह में तेजी से पूर्ण किया जाए।

गिरिराज बोले-आदिवासियों के लिए नुकसानदेह है झारखंड सरकार

एजेंसी

पूर्वी सिंहभूम। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, झारखंड में बांग्लादेशियों को संरक्षण देकर सरकार चलाई जा रही है, जो आदिवासियों के लिए नुकसानदेह है। यह राज्य के भविष्य को अंधकार में धकेलने वाला कदम है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह रविवार की देर रात जमशेदपुर दौरे पर पहुंचे हैं। वे पटना से वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से टाटानगर स्टेशन पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने बिहार की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि बिहार

में एनडीए की सरकार हर हाल में बनेगी। जनता ने ठान लिया है कि भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में कमी

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी आने से सोमवार को इनकी संख्या घटकर 4425 रह गयी और इस बीमारी से ठीक होने मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 20947 पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से छत्तीसगढ़ में एक और मरीज की मौत होने के साथ देश में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 124 हो गया। गौरतलब है कि 22 मई को देश में कोरोना के सिर्फ़ 257 मामले सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के सक्रिय मामलों में 329 की कमी दर्ज की गयी। दूसरी ओर इस वायरस के संक्रमण से 664 मरीज स्वस्थ हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के अनुसार सक्रिय मामलों में दक्षिण भारत का केरल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। हांलाकि आज आठ सुबह तक 103 मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा घटकर 840 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में 77 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 435 रह गयी। महाराष्ट्र में 26 मामले घटने से सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 298 रह गयी और गुजरात में 11 मामले घटने से कुल संख्या घटकर 638 रह गयी है। पिछले 24 घंटों में पांच राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि देखी गयी है। इस अवधि में मणिपुर में सबसे अधिक 28 सक्रिय मामले सामने आये, जबकि केरल में सबसे अधिक 103 सक्रिय मामले कम हुए हैं। पश्चिम बंगाल का नवीनतम आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

DMFT मद से संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न , उपायुक्त ने दिए कार्यों में गति लाने एवं पारदर्शिता बरतने के निर्देश

साहिबगंज:

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) मद से संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा को लेकर आज उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।बैठक के दौरान उपायुक्त ने विगत बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की और अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति, व्यय की प्रगति, निमार्णाधीन कार्यों की स्थिति एवं लाभार्थियों को मिलने वाले लाभ पर विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की। उपायुक्त ने कहा कि DMFT मद से संचालित योजनाओं का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारना है, इसलिए प्रत्येक योजना की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जाए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन योजनाओं की स्वीकृति मिल चुकी है, उनका कार्य प्रारंभ करते हुए समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही जिन योजनाओं में किसी प्रकार की अड़चन आ रही है, उसकी स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।बैठक के दौरान जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट, साहेबगंज की प्रबंधकीय समिति की बैठक भी आयोजित की गई ।

चौकीदार पद पर नियुक्ति हेतु जिला स्थापना समिति (सामान्य) की बैठक आयोजित

साहिबगंज:

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में चौकीदार पद पर नियुक्ति से संबंधित जिला स्थापना समिति (सामान्य) की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला अंतर्गत रिक्त चौकीदार पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया के उपरांत नियुक्ति पत्र वितरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अब तक की गई कार्यवाही से उपायुक्त को अवगत कराया एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा सहित अन्य उपस्थित थे।

अज्ञात नवजात बालिका स्वस्थ हो के 33 दिन बाद रठउव से डिस्चार्ज, जिला बाल सरंक्षण पदाधिकारी को सपुर्द

साहिबगंज:

एक नवजात अज्ञात बालिका जो कि झाड़ियों में पड़ी हुई मिली थी ।बाल कल्याण समिति और जीरवाबाड़ी थाना के सहयोग से बालिका की तत्काल स्वास्थ्य सेवा के लिए SNCU सदर अस्पताल में21/05/25 को भर्ती कराया गया था । देखरेख में बच्ची का समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई भर्ती के समय बच्ची का वजन 1760 ग्राम था ' दिनांक 23/06/2025 को लगभग 33 दिन* के बाद बच्ची को पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद बच्ची का SNCU से छुट्टी किया गया। छुट्टी के समय बच्ची का वजन 2220 ग्राम था । बच्ची के इलाज में अस्पताल प्रबंधक राजेश कुमार यादव SNCU in-charge, रश्मि प्रिया तिर्की CHO एवम् सभी SNCU कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उपाधीक्षक डॉ एस सी हांसदा एवं नोडल पदाधिकारी डॉ फरोग हसन के द्वारा बच्ची को जिला संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी को सुपुर्द किया गया। मौके पर आदित्य कुमार , राजेश कुमार यादव SNCU इंचार्ज, प्रभारी अस्पताल मैनेजर अमन पांडे, SNCU के कर्मी मौजूद थे।

जिला एवं लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 94 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:लिट्टीपाड़ा प्रखंड के गोंडा, पाकुड़िया प्रखंड के मोगलाबांध एवं महेशपुर प्रखंड के महेशपुर में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 94 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ संतोष कुमार यादव एवं डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया.

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहान शिक्षाविद् प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि ₹बलिदान दिवस₹ सोमवार को पाकुड़ भाजपा कार्यकताओं ने टीन बंगला में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा देश की एकता और अखंडता के लिए लगातार काम किए. उन्होंने कहा कि उनका जीवन कार्यकताओं के लिए अनुकरणीय है. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने सबसे पहले धारा 370 के खिलाफ आवाज उठाई थी. उन्होंने नेहरू की तुष्टिकरण की नीति का विरोध किया था. साथ ही कश्मीर में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान को लेकर आंदोलन किया था. जिस-के परिणाम स्वरूप कश्मीर से परमिट राज खत्म हुआ. उन्होंने बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक मिशन था कि भारत में एक निशान, एक विधान और एक प्रधान हो. इसे वर्तमान में मोदी सरकार द्वारा साकार किया गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाकर पूरे देश में एक मिसाल कायम की है. प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिर्फ हमारे पार्टी के संस्थापक ही नहीं बल्कि देश के पहले राजनीतिक बालिदानी थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु को जवाहर लाल नेहरू सरकार की लापरवाही बताते हुए उन्होंने कहा कि जब मुखर्जी के परिवार के सदस्यों ने उनकी मृत्यु पर जांच की मांग की तो तत्कालीन नेहरू सरकार ने मना कर दिया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक ऐसे विचारवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने मात्र 52 वर्ष की अल्प आयु में देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने बंगाल और पंजाब को भारत से अलग होने से बचाया और जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए थे और भारत के विभाजन का प्रस्ताव मान लिया था। उस वक्त इकलौते डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ही थे जिन्होंने इसका विरोध किया। नहीं तो आज पूरा पंजाब और बंगाल पाकिस्तान में होता।

कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह,जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शबरी पाल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह , नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, हिसाबी राय,पवन भगत, धनेश्वर सोरेन,सपन दुबे, पार्वती देवी, विश्वनाथ भगत, बासु मंडल, जयदेव, पप्पू भगत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

पाकुड़ के के एम कॉलेज में बीएड की मान्यता रद्द होने पर विद्यार्थी ने जताया विरोध

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ के.के.एम. बी.एड. कॉलेज को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) द्वारा दी गई मान्यता हाल ही में समाप्त कर दी गई है। इस निर्णय से संबंधित कॉलेज में अध्ययनरत सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य संकट में आ गया है। जिला संयोजक सुमित पांडे ने बताया कि यह कॉलेज पाकुड़ जैसे पिछड़े और जनजातीय बहुल क्षेत्र में स्थित है जहाँ के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी उच्च शिक्षा की आकांक्षा लेकर बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते हैं।यह कॉलेज पाकुड़ में एक मात्र सरकारी बीएड कॉलेज है।वर्तमान में मान्यता समाप्त हो जाने के कारण न केवल छात्रों का शैक्षणिक सत्र बाधित हो रहा है, बल्कि भविष्य में शिक्षकीय सेवाओं के लिए आवेदन की संभावना भी समाप्त हो रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेती है एवं विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय से यह निवेदन करती है कि अपने स्तर पर उचित पहल करते हुए कॉलेज की मान्यता पुनः प्राप्त कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। वही अमित साहा ने बताया कि पाकु-ड़ जैसा जिला जहां पहले से ही कॉलेज और शिक्षकों की भारी कमी है अभी तक पाकुड़ में कई विषयों की पढ़ाई पीजी,मेडिकल जैसे पढ़ाई की कोई व्यवस्था नहीं है उसे पर भी एकमात्र बीएड कॉलेज की मान्यता रद्द हो जाना अत्यंत ही चिंता का विषय है।राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के द्वारा कॉलेज को 2 महीने का समय दिए जाने के बावजूद भी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन द्वारा इस पर कोई पहल नहीं किया गया जिसके परिणाम स्वरूप इस कॉलेज की मान्यता को रद्द कर दिया गया। यह बड़े दुख का विषय है कि हमारे यहां के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भी शिक्षा क्षेत्र के समस्याओं को देखने का फुर्सत नहीं है। कॉलेज मंत्री दुलाल दास ने बताया कि हम विश्वविद्यालय को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हैं यदि के के एम कॉलेज को पुनः बीएड की मान्यता नहीं मिलती है तो हम कॉलेज में अनिश्चित काल के लिए ताला बंद करेंगे। मौके पर गुंजन तिवारी,हर्ष भगत,संजय दत्ता,राहुल मिश्र,सागर रजक, बादल तिवारी,कमल समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पाकुड़ कांग्रेस भवन में यूथ कांग्रेस सदस्यता अभियान को लेकर हुई अहम बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सोमवार को जिला कांग्रेस भवन में कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख की अध्यक्षता में यूथ कांग्रेस के सदस्यता अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में यूथ कांग्रेस प्रदेश कोऑर्डिनेटर राजेश मिश्रा उपस्थित हुए। उन्होंने उपस्थित सभी युवा कांग्रेस कार्यकताओं को आगामी सदस्यता अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा आगामी 27 जून से 3 जुलाई तक यूथ कांग्रेस की सदस्यता अभियान चलाई जानी है, इस दौरान इच्छुक युवा पार्टी में सदस्यता लेकर संगठन का हिस्सा बन सकते हैं। आगे श्री मिश्रा ने कहा ₹नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह सपना है कि यूथ कांग्रेस के माध्यम से कांग्रेस पार्टी का विस्तार हो और कांग्रेस परिवार और भी अधिक मजबूत हों, आज के युवा ही कल का नेतृत्व करेंगे हमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जोड़ना है और उन्हें नेतृत्व का अवसर प्रदान करना है। बैठक के दौरान यह भी तय किया गया कि सदस्यता अभियान को प्रखंड, पंचायत, एवं वार्ड स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जाएगा और नए सदस्यों को यूथ कांग्रेस के व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर निरंतर संपर्क में रखा जाएगा। युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख ने कहा कि यह अभियान युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, और पाकुड़ जिला इस अभियान में राज्य भर में उदाहरण पेश करेगा। मौके पर जिला महासचिव मोहम्मद नसीम आलम,जलालुद्दीन शेख, नूर इस्लाम ,शरीफ मोमिन , हुसैन शेख, शहाबुद्दीन ,नईमुद्दीन ,जोहर शेख, वसीम अकरम, इस्माइल शेख, शाहजमल शेख, खुर्शीद शेख सहित अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों में शिविरों का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ केन्द्र सरकार के निदेर्शानुसार 15 जून से 30 जून 2025 तक चलाए जा रहे ₹धरती आबा जन भागीदारी अभियान₹ के तहत सोमवार को जिले के सभी प्र-खंड के विभिन्न कलस्टर में ग्राम स्तरीय विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से विशेषकर जनजातीय वर्ग के पात्र एवं वंचित हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में पाकुड़ प्रखंड के मालपह-ाड़ी पंचायत, हिरणपुर प्रखंड के केंदुआ पंचायत, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिट्टीपाड़ा पंचायत, महेशपुर प्रखंड के खांपुर, तेलियापोखर, मानिकपुर एवं पाकुड़िया प्रखंड के डोमनगड़िया पंचायत में आयोजित शिविर में आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान क-ार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन खाते, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन एवं छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को चिन्हित कर लाभान्वित किया गया। जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों अधिकारियों ने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी एवं अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुँचाने का आह्वान किया। जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले इस अभियान का उद्देश्य वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें मुख्यधारा में लाना है। जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

मादक पदार्थ के दुरुपयोग को रोकने के लिए सेंट्रल जेल में कार्यशाला का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

डॉ० युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन, देवघर के निदेशानुसार डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिका-री एवं प्रमोद कुमार कारा अधीक्ष-ाक के अध्यक्षता में निषिद्ध मादक पदार्थ के दुरूपयोग को रोकने के लिए सेंट्रल जेल में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर के इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सर्व प्रथम डॉ. मनीष शेखर के द्वारा बतलाया गया कि नशीली दवाओं की लत, जिसे पदार्थ उपयोग विकार भी कहा जाता है, एक ऐसी बीमारी है जो किसी व्यक्ति के मस्तिष्क और व्यवहार को प्रभावित करती है और वैध या अवैध दवा या दवा के उपयोग को नियंत्रित करने में असमर्थता की ओर ले जाती है। शराब, मा-रजुआना और निकोटीन जैसे पदार्थों को भी ड्रग्स माना जाता है। जब आप आदी हो जाते हैं, तो आप इससे होने वाले नुकसान के बावजूद दवा का उपयोग जारी रख सकते हैं। नशीली दवाओं की लत सामाजिक परिस्थितियों में मनोरंजनात्मक दवा के प्रयोगात्मक उपयोग से शुरू हो सकती है, और, कुछ लोगों के लिए, नशीली दवाओं का उपयोग अधिक बार होता है। दूसरों के लिए, विशेष रूप से ओपिओइड के साथ, नशीली दवाओं की लत तब शुरू होती है जब वे निर्धारित दवाएँ लेते हैं या उन्हें दूसरों से प्राप्त करते हैं जिनके पास नुस्खे हैं। नशे की लत लगने का जोखिम और आप कितनी जल्दी इसके आदी हो जाते हैं, यह हर दवा पर निर्भर करता है। कुछ दवाएँ, जैसे कि ओपिओइड दर्द निवा-रक, दूसरों की तुलना में ज्यादा जोखिम वाली होती हैं और जल्दी से लत लगा देती हैं। इसके बाद डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी के द्वारा बतलाया गया कि आज के समय में धुम्रपान और चबाने वाले तम्बाकू का सेवन बहुत अधीक मात्रा किया जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। तम्बाकू के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जैसे, कैंसर रोग, हृदय रोग, लीवर की बीमारी, क्रोनिक रोग इत्यादि।

निकोटीन एक ऐसा पदार्थ है जो बेहद नशीला होता है और तम्बाकू के पौधों में पाया जाता है। तम्बाकू के उत्पाद, तम्बाकू के पौधे की पत्तियों को संसाधित करके बनाये जाते हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और कई घातक बीमारियां सीधे तौर पर तम्बाकू उत्पादों से जुड़ी हुई हैं। प्रत्येक वर्ष, तम्बाकू के उपयोग के कारण लगभग 80 लाख व्यक्तियों की जान चली जाती है। उक्त कार्यक्रम में डॉ.सौम्या मिश्रा,डॉ०अपरना रानी, अभिमन्यु कुमार, सरीफ अंसारी, रवि चन्द्र मुर्मू, इत्यादी उपस्थित थे

श्रवण के प्रत्येक सोमवारी को संस्था करेंगी भक्तों के बीच निःशुल्क पूजन समाग्री का वितरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ नगर के अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर परिसर में सत्य सनातन संस्था की बैठक रविवार की शाम को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे ने किया। बैठक में पवित्र श्रवण माह के अवसर पर मंदिरों में शिविर लगाकर पूजन सामग्री वितरण व रथ यात्रा को सफल बनाए जाने पर चर्चा की गई। अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे ने कहा कि पवित्र श्रावण माह के प्रत्येक सोमवरी को संस्था की ओर से सेवा शिविर लगा कर निशुल्क पूजन सामग्री वितरण किया जाएगा। भगतपाड़ा शिव मंदिर में जिला अध्यक्ष हर्ष भगत, सत्यम भगत, विशाल भगत , रवि भगत, रतन साहा, कुड़ापाड़ा स्थित बाबा नागेश्वर नाथ मंदिर में संस्था के उपाध्यक्ष गौतम कुमार ,मिंटू गिरी, दूधनाथ मंदिर में पुरोहित रोहित दास, रेलवे कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में अमित साहा, सानू रजक को निःशुल्क पूजन सामग्री वितरण के लिए जिम्मेवारी दी गई। शिविर में सुबह 7 बजे से 11 बजे तक भक्तों के बीच निशुल्क बेलपत्र, कच्चा दूध , गंगा जल एवं पुष्प का वितरण किया जाएगा। मंगलवार की संध्या को हनुमान मंदिर में संस्था की ओर से हनुमान चालिसा का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावे आगामी 27 जून को निकलने वाले रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए संस्था के सदस्य सक्रिय रहेंगे। मेले में सुरक्षा व्यवस्था को बढाये जाने को लेकर एसपी को आवेदन सौंपा जाएगा। मौके पर संस्था के सचिव चंदन प्रकाश, उपाध्यक्ष गौतम कुमार, कोषाध्यक्ष अमर ठाकुर, जिला अध्यक्ष - हर्ष भगत , संदीप त्रिवेदी, मिंटू गिरी , रतन साहा , राकेश सिंह, राकेश मुलायम सिंह, रोहित दास ,चंदन रक्षित , संतोष टेबरीवाल, अक्षय चौरसिया ,मास्टर विजय , शुभम गुप्ता , वरीय सदस्य - कालीचरण घोष सहित अन्य उपस्थित थे।

मांडर मे लगातर चार दिनों की बारिश ने तोड़ी किसानो की कमर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- लगातार 4 दिनों की बारिश ने तोड़ी किसानों की कमर, मांडर क्षेत्र में हजारों एकड़ से ज्यादा भूमि में लगी फूलगोभी, शिमला मिर्च ,हरा मिर्च और धनिया की खेती हुई पुरी तरह बर्बाद. मांडर प्रखंड अंतर्गत ग्राम मंदरों के किसान आजाद अंसारी और सलीम अंसारी ने बताया कि हमने 2,2 एक-ड़ भूमि में हरा मिर्च की खेती लगाया था जिसमें लाखों की पूंजी लगा था मिर्च तोड़ने के लिए बना हुआ था और लगातार चार दिनों की अंधाधुंध बा-रिश में पूरी मिर्च मर गई. जिससे हम लोगों की कमर टूट गई है. यही हाल तौफीक अंसारी का है. उन्होंने बताया कि लगभग 1 एकड़ में फूलगोभी लगाया हुआ था और फूल काटने के लिए बन गया था लेकिन इस अंधाधुंध बारिश में सभी कोभी मर गया. और हम बर्बाद हो गए. कर्ज लेकर खेती किए थे. अब उसका कर्ज को कैसे चुकाएंगे.सभी किसानों का यही हाल है.उन्होंने बताया कि केवल मंदरों बस्ती में अभी की खेती से करोड़ों रुपया किसानों की झोली में आता। पर सब पूरी तरह बर्बाद हो गया सभी किसानों का जमा पूंजी समाप्त हो गया.अभी किसानों को नया सा खेती लगाने के लिए बीज,खाद लेने हेतु पूंजी की भारी कमी हो गई हैं। किसानों को कुछ समझ में नहीं आ रहा है। असल मुआवजा तो अभी मिलना चाहिए. लेकिन स-रकार के सभी अधिकारी अभी तक इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। इससे किसानों में सरकार के प्रति काफी नाराजगी देखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद युवाकार्य निदेशालय झारखंड रांची के तत्वाधान में सोमवार को पाकुड़ जिला में एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 6 टीमो ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें हिरणपुर, अंजना, बैंक कॉलोनी, एच वी सी, डे बोर्डिंग की और से दो टीम शामिल थे। प्रतियोगिता में डे बोर्डिंग पाकुड़ और अंजना फाइनल मैच के मुकाबले में प्रवेश किया।जिसमें अंजना टीम को हराकर पाकुड़ डे बोर्डिंग की टीम ने जीत हासिल कर विजेता का कप अपने नाम किया। एकदिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता को मुख्य अतिथि द्वारा कप देकर सम्मानित किया। मौके पर हिसाबी राय,संजय ओझा, अनिकेत गोस्वामी,साहनी,संजय राय, यदि उपस्थित थे।

देवघर जिला शतरंज संघ का हुआ चुनाव,सूरज झा बने अध्यक्ष

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सोमवार को देवघर जिला शतरंज संघ का चुनाव आयोजित किया गया है। चुनाव में बतौर पर्यवेक्षक विनोद कुमार शाह शामिल हुए। *चुनाव में समाजसेवी सूरज कुमार झा को जिला शतरंज संघ का अध्यक्ष चुना गया*। मौके पर सूरज ने कहा कि यह पद मेरे लिए महज एक पद नहीं है बल्कि एक जिम्मेदारी है। संघ के सदस्यों ने मुझपर जो भरोसा जताया है इसके लिए मैं उनके प्रति शुक्रगुजार हूं। मेरा प्रयास होगा कि शतरंज के खेल को अधिक से अधिक बढ़ावा मिल सके। चूंकि देवघर में खेल का हमेशा माहौल रहा है। हर गली मुहल्ले में शतरंज खेल की परंपरा विकसित हो ऐसा प्रयास हमलोग आने वाले दिनों में करेंगे। मुझे पूरा यकीन है कि सकारात्मक प्रयास सामने आएगा। इस दौरान प्रदीप झा, चेतराम श्रृंगारी, बाबू सोना श्रृंगारी, प्रेम नाथ खवाड़े, शंकर लाल झा, महेश मठपती, सौरभ वर्मा, विजय भारद्वाज, वासुदेव फलहारी, कन्हैया कुमार, रणजीत सिंह, आर्य, कृष्णदेव श्रृंगारी, सत्येंद्र कुमार, अनंत लाल कुंजलवार, सौरभ कुमार वर्मा, संजीव मिश्रा, अशोक श्रृंगारी, चंदन खवाड़े आदि मौजूद थे।

हैंडबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष संतोषी ने दिखाया बेंच प्रेस में अपना जलवा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला के नंदन पहाड़ शिल्पग्राम सभागार एम एस फिटनेस देवघर के द्वारा आयोजित बैद्यनाथधाम क्लासिक झारखंड राज्य पावर लिफ्टिंग, बेंच प्रेस एंड डेडलिफ्ट प्रतियोगिता 2025 में आयुष संतोषी ने सब जूनियर केटेगरी के 74 किलोग्राम के बेंच प्रेस में पूरे 15 प्रतिभागी में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे जिला ही नहीं राज्य का नाम रोशन किया आयुष संतोषी अपने खेल का अभ्यास अपने कोच राजेश रंजन एवं स्मार्ट जीम में संजय सिंह के साथ महावीर अखाड़ा में निरंतर रूप से करते आ रहे हैं इस प्रतियोगिता में कुल 3 राज्यों से बिहार बंगाल झारखंड के करीब 100 बॉडीबिल्डर ने भाग लिया जिसमें आयुष संतोषी को बेस्ट लिफ्टर का खिताब दिया गया आयोजन समिति के मोनू सिंह, बतौर मुख्य अतिथि जीतू तांती, सोनू कुमार, राजेन्द्र पाटिल, आर एस पांडा उपस्थित रहे

भाकपा के सक्रिय कार्यकर्ता का आकस्मिक निधन अंचल मंत्री राज नारायण यादव ने दी श्रधांजलि

दिव्य दिनकर

बिहार डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा मधुबनी जिला जयनगर बरही वार्ड दस निवासी राम सेवक दास भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के शाखा बरही के अंचल परिषद सदस्य की पत्नी लगभग 68 वर्षीय देवकी देवी पार्टी के सक्रिय सदस्य का रविवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। पार्टी के अंचल मंत्री राज नारायण यादव उर्फ राम नारायण बनरैत के द्वारा देवकी देवी के निधन पर पार्टी के सदस्यों के साथ उनके घर जाकर शोक संवेदना प्रकट किया। राज नारायण यादव द्वारा मृतका देवकी देवी को पार्टी का झंडा ओढ़ा कर और दो मिनट का मौनरख कर श्रधांजलि दी गई।साथ ही अंचल मंत्री राज नारायण यादव के द्वारा मृतका परिजन को 5000 आर्थिक सहायता प्रदान किया गया। इस दौरान पार्टी के सत्यनारायण यादव जिला परिषद सदस्य भाकपा ,पवन पासवान अंचल परिषद सदस्य,सुंदर मुखिया, दिलीप बनरैत,दिनेश प्रसाद रमन,राम सेवक दास मनोज दास फिरन सहनी समेत कई कार्यकताओं ने श्रधांजलि दी।

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से 76 वां वन महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन का रक्षा- सांसद

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से महेशपुर प्रखंड के जब्दी खरियोपाड़ा में 76 वां वनमहोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांसद विजय कुमार हांसदा ने कहा कि वन महोत्सव हर साल मनाते आ रहे हैं। इस बार भी 76 वां वन महोत्सव मनाया जा रहा हैं। पेड़ लगाने से क्या फायदे मिलते हैं पहले इसकी जानकारी होना चाहिए। एक पेड़ कटेगा तो दस पेड़ लगाने का काम किया जा रहा है। प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने से आज बहुत सारी समस्या हो रही है। लोग जिस तरह अन्य त्योहार मनाते है उसी तरह वन महोत्सव को भी मनाना चाहिए। आजकल लोगों को शुद्ध ऑक्सीजन नहीं मिल पा रहा है। सिर्फ सरकारी भूमि में नहीं बल्कि अपने अपने जमीन पर भी पेड़ लगाएं। विधायक प्रोफेसर स्टीफन मरांडी ने कहा कि क्षेत्र के जंगल को सुरक्षित रखें। पेड़ लगाएं, काटे नहीं। एक-एक पेड़ घर के सदस्यों के तरह है। सुरक्षा और रक्षा करना हम सभी का दायित्व ही नहीं कर्तव्य है। पर्यावरण का संरक्षित रहना नितांत आवश्यक है, हम सबका कर्तव्य है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी मनीष कुमार ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं प्रोजेक्ट प्रकृति के तहत पाकुड़ जिले में अब तक पाकुड़ जिले में 37 हजार से अधिक पौधे प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत लगाये जा चुके हैं। इस मामले में पाकुड़ जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है। उपायुक्त ने कहा कि प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत पूरे जिले में 3 महीने के अंदर 1 लाख पौधे लगाए जाएंगे। उपायुक्त मनीष कुमार ने समस्त

जिलेवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को कम से कम दो पौधा लगाने हेतु अपील किया। पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि हमें वायु, जल समेत अन्य चीजें पर्यावरण से ही प्राप्त होती है। हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम भी पर्यावरण के संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि हरियाली से ही हमारे जीवन में खुशहाली होगी। डीएफओ सौरभ चन्द्रा ने कहा कि पर्यावरण से ही जीवन है।पौधारोपण करने के बाद पौधा की देखभाल करने से ही पर्यावरण का उद्देश्य पूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पूरे जिले में 1 लाख 12 हजार पौधे लगाए जाएंगे।

मंत्री, विधायक, उपायुक्त, डीएफओ एवं डीडीसी ने किया पौधारोपण

वन महोत्सव कार्यक्रम में माननीय सांसद, माननीय विधायक, उपायुक्त, डीएफओ एवं डीडीसी के द्वारा पौधारोपण किया गया एवं जिलावासियों से पर्यावरण सरंक्षण को लेकर पौधारोपण करने की अपील की गई।

विभिन्न लाभुकों के बीच परिसम्पतियों का किया गया वितरण

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान सांसद, विधायक, उपायुक्त, डीएफओ ने लाभुकों के बीच विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से लाभुकों को लाभान्वित किया।कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना का गृह प्रवेश, उन्नति का पहिया (साईकिल), सवजन पेंशन योजना, मक्का वितरण, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, शिक्षा विभा से बैग, कांपी, वन विभाग द्वारा रेस्क्यू कीट, मत्स्य विभाग द्वारा नेट का वितरण, सखी समूह के दीदियों के बीच 10 लाख का बैंक लिंकेज का स्वीकृती पत्र का वितरण, दीदी बाड़ी योजना अंतर्गत तीन दीदियों के बीच स्वीकृती पत्र आदि का वितरण किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि, जेएमएम जिला अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद, सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन चान्हो प्रखंड के उत्कृमित विद्यालय सोन्स मे किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन चान्हो प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोंस में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड के प्रमुख होलिका देवी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर खेल का आगाज किया ।आज के खेले गए मैच में फर्स्ट लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 6 विद्यालयों- के अंडर 12 के बच्चों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोस एवं मध्य विद्यालय चौड़ा के बीच खेला गया। जिसमें सोस की टीम ने ट्राई ब्रेकर में चौड़ा की टीम को पराजित किया तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई। किया। प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोस ूल्लॅङ्क में अंडर 17 बालिका वर्ग का सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता मे

कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय चानहो एवं प्रोजेक्ट प्लस टू उच्च विद्यालय टांगर के बीच खेला गया जिसमें कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय ने प्रोजेक्ट +2 उच्च विद्यालय टांगर को 2-0 से पराजित कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। प्रथम एवं द्वितीय आने वाले टीमों को प्रखंड प्रमुखहोलिका देवी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो0 इम्तियाज एवं निर्मल बधाई के द्वारा मेडल प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आज की इस आयोजन में मुख्य रूप सेविश्वनाथ महतो,दयानंद लकड़ा ,दीपक मेहता देवचरण कच्छप, राजेंद्र उरांव, मो0 गनी राजेंद्र नाथ देवरिया, साबिर अंसारी सुमन मिश्रा ,मो0 सज्जाद, राधाकांत पांडे, मोहम्मद मुर्तजा रोहित कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

इन्दिरा आईवीएफ ने थानिसांद्रा बेंगलुरु में नए फर्टिलिटी क्लिनिक का किया शुभारंभ

बेंगलुरु , ।

इन्दिरा आईवीएफ ने बेंगलुरु के थानिसांद्रा में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक का भव्य उद्घाटन किया है। यह सेंटर सेकेण्ड फ्लोर, मोनार्क सेरेनिटी, थानिसांद्रा मेन रोड, आर के हेगडे नगर, रेलवे मेन लेआउट, श्री बालाजी कृपा लेआउट, बुक फेक्टरी बस स्टॉप, बेंगलुरू में स्थित है। इस सेंटर के माध्यम से इन्दिरा आईवीएफ का उद्देश्य इस क्षेत्र में रिप्रोडक्टिव केयर को अधिक सुलभ बनाना है, जिससे दंपतियों और व्यक्तियों को समय पर डायग्नोसिस और एविडेंस बेस्ड उपचार प्रदान किया जा सके। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गाइनकोलॉजिस्ट, आईवीएफ स्पेशलिस्ट एंड सेंटर हेड, इन्दिरा आईवीएफ जे.पी. नगर एंड साउथ जोनल बिजनेस डायरेक्टर, इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड डॉ. श्याम गुप्ता साथ ही एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एंड सेंटर हेड, इन्दिरा आईवीएफ थानिसांद्रा डॉ. शुभम बिधूड़ी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. श्याम गुप्ता ने कहा कि थानिसांद्रा की बढ़ती

जनसंख्या और बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताएं इसे फर्टिलिटी सर्विसेज के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बनाती हैं। इस नए क्लिनिक के साथ, हम दम्पतियों के पास उपचार की पहुंच को बेहतर बना रहे हैं और एक उचित, जानकारीपूर्ण तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से रिप्रोडक्टिव केयर की दिशा में कार्य कर रहे हैं। डॉ. शुभम बिधूड़ी ने कहा कि फर्टिलिटी केयर की पहुंच को बेहतर करने की शुरूआत एक ऐसे वातावरण के निर्माण से होती है जहाँ मरीज पूरी उपचार यात्रा के दौरान खुद को सहज, हर स्टेज की पूरी जानकारी और सेंटर व स्टाफ द्वारा मदद के लिए तैयार महसूस करे। हमारा नया थानिसांद्रा सेंटर व्यक्तिगत केयर, समस्या के अनुरूप ट्रीटमेंट प्लान और हर स्टेज में मार्गदर्शन करने वाली समर्पित टीम के साथ कार्य करेगा । इन्दिरा आईवीएफ का यह नया सेंटर पूरे भारत में मौजूद 150 से अधिक क्लिनिक नेटवर्क का हिस्सा बन गया है और यह कदम रिप्रोडक्टिव हेल्थ केयर सेवाओं को और अधिक लोगों तक पहुंचाने की दिशा में एक मजबूत पहल है। क्लिनिकल विशेषज्ञता और पेशेंट-फर्स्ट अप्रोच के साथ, यह सेंटर सहयोग, उचित व पूर्ण जानकारी और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देवघर परिसदन में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कार्यकताओं को दिया संगठन मजबूती के टिप्स

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सोमवार को देवघर परिसदन में भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला इकाई की संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से शामिल हुए.बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सचिन रवानी ने की. बैठक में जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, सभी मोर्चा के अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आगामी कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तीकरण एवं जनसंपर्क को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया. उन्होंने संगठन विस्तार की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया. साथ ही कहा गया कि 24 जून को भाजपा देवघर जिला के हर प्रखंड मुख्यालय में आक्रोश रैली निकाली जाएगी ताकि राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ जनभावनाओं को मुखर किया जा सके. 25 जून को आपातकाल,29 जून को मन की बात,30 जून को वीर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती को जिले भर में धूमधाम से मनाया जायेगा. इसमें पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय जनता व्यापक रूप से भाग लेंगे. श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है. हर कार्यकर्ता को जनसेवा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए. उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और विपक्ष के झूठे प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने का भी आह्वान किया. बैठक में कौन कौन थे शामिल बैठक में प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा पूर्व विधायक पूर्व मंत्री

सारठ रंधीर सिंह पूर्व मंत्री राजपलिवार,पूर्व विधायक नारायण दास, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव जजवाड़े,रीता चौरसिया विशाखा सिंह दिवाकर गुप्ता, दिलीप सिंह,नवल राय जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया रवि तिवारी राजीव रंजन सिंह प्रज्ञा झा सुग्गा नरौने, तुफान महथा सचिन सुल्तानिया,विनय चंद्रवंशी अमृत मिश्रा, विश्वनाथ रवानी, विजया सिंह गंगा नारायण सिंह,आशीष दुबे, मुकेश पाठक बलराम पोद्दार,सुलोचना देवी ,रूपा केसरी, रमेश राय गौरी शंकर शर्मा,पंकज सिंह भदोरिया भूषण सोनी,संतोष मुर्मू सुमन सौरभ सोना धारी झा, चंद्रशेखर खवाड़े,बम बम दुबे दीपक केशरी, मिथलेश सिन्हा सीएन दुबे,संजय गुप्ता सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे.

दुष्कर्म आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में स्पेशल पोक्सो जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने महिला थाना कांड संख्या -66/23, जी.आर.-145/23 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए काराधिन अभियुक्त कोशल कुमार उर्फ नटवर हसामपुर उपहारा को कड़ी सजा सुनाई है, स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त कोशल कुमार उर्फ नटवर को 20/06/25 को भादंवि धारा 376 ए बी और पोक्सो एक्ट की धारा -06 में दोषी करार दिया गया था आज सजा के बिन्दु पर अभियुक्त को आजीवन कारावास और पचास हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है जुमार्ना न देने पर तीन माह अतिरिक्त कारावास होगी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद को भी आदेश दिया गया है कि पीड़िता को तीन लाख रुपए प्रतिकर दिलवायें, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक ने प्राथमिकी 29/11/23 को

दर्ज कराई जिसमें कहा था कि नाबालिग लड़की घास काटने गई थी तो अभियुक्त ने हाथ पकड़ पटक दिया और मूंह चापकर गंदा काम किया जिससे पीड़िता के पेंट से खुन बहने लगा, अभियुक्त घटना के समय से एक साल छः महीने 21 दिनों से जेल में बंद हैं, आज सजा के बिन्दु पर बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि अभियुक्त सम्पन्न परिवार से हैं, अपराधिक इतिहास नहीं है इसका भविष्य भी है इसलिए कम सजा दी जाए, स्पेशल अभियोजक शिवलाल मेहता ने कहा कि अभियुक्त की अपराध की प्रकृति और पीड़िता के कम उम्र देखते हुए अधिकतम सजा दी जाए, दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत न्यायधीश ने सजा सुनाई,इस वाद में आई. ओ-पु. अ. नि.अनीता कुमारी, डॉ सहित पांच गवाही हुई थी बचाव पक्ष से भी तीन गवाही हुई थी, अभियुक्त पर आरोप गठन 28/06/24 के होने के बाद एक साल के अंदर सजा सुनाई गई है।

राजद उपाध्यक्ष सुरेश पासवान ने भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 को फोरलेन में तब्दील करने के संबंध में लिखा पत्र

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री सह राजद उपाध्यक्ष सुरेश पासवान ने भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 को फोरलेन में तब्दील करने के संबंध में लिखा पत्र। बताते चलें कि बिहार झारखण्ड को जोड़ने वाली अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139, को फोरलेन में तबदील करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ऐजेंसी के द्वारा डी.पी.आर. तैयार कर आपके मंत्रालय में स्वीकृति हेतु लंबे समय से लंबित है। यह राजमार्ग झारखण्ड के पलामूँ सें प्रारंभ होकर बिहार राज्य स्थित औरंगाबाद, अरवल जिला होते हुए पटना तक जाती है। अभी इस मार्ग का पलामूँ से औरंगाबाद के कुटुबां प्रखण्ड तक का कुछ हिस्सा फोरलेन में तबदील हो रहा है। लेकिन शेष खण्ड अभी भी मात्र दो लेन का है जो वर्तमान ट्रैफिक के लिहाज सें नाकाफी साबित हो रहा है। ट्रैफिक सर्वे और दूरर्घटनाओं के अकड़े काफी चिन्ता जनक है। राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल औरंगाबाद द्वारा तैयार की गई डी.पी.आर. के मुताबीक वर्ष 2024 में हुए ट्रैफिक सर्वे इस मार्ग पर प्रतिदिन औसतन 18,077 पी.सी.यू. (पैसेंजर कार यूनिट) दर्ज कीया गया है। जबकि भारत सरकार के मापदंड के अनुसार किसी भी मार्ग की फोरलेन में उन्नत करने हेतु 15,000 पी.सी.यू. की न्यूनतम सीमा तय किया गया है। सिर्फ छः महीने में औरंगाबाद और अरवल जिलों में इस मार्ग पर 44 जानलेना दूर्घटनाओं और 37 गंभीर रूप से घायल होने के मामले सामने आएं है। यह आकड़ा इस पथ की सुरक्षा स्थिति को गंभीरता के उजागर करता है। महोदय आपको स्मरण दिलाता चाहता हूँ की जनवरी 2025 में बोधगया / गया जिला आगमन के उपरांत आपके द्वारा सभा मंच से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 को स्वीकृति देने की घोषणा की गई थी। परन्तु अभी तक यह सड़क फोरलेन में तबदील होने के इन्तजार में है। यह सड़क मार्ग अधौगिक, खनिज और व्यापारिक दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि आम जन जीवन की सुरक्षा और सुविधा के मदे नजर भी अत्यंत महत्वपूर्व है। माननीय मंत्री महोदय से आग्रह है की ठ.ल्न.-139, औरंगाबाद से अरवल होते हुए पटना की सड़क को फोरलेन में स्वीकृति देने का कृपा प्रदान की जाए।

संविधान विरोधी है अमित शाह का अंग्रेज़ी पर हमला

>> विचार

"मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने भी कभी अंग्रेज़ी की औपचारिक शिक्षा नहीं ली थी, फिर भी उन्होंने इस भाषा के महत्व को पूरी तरह समझा। उन्होंने लिखा: "चाहे अंग्रेज़ी भाषा हमारे जीवन में जैसे भी आई हो, यह तथ्य है कि इसने पिछले डेढ़ सौ वर्षों से हमारे मानसिक और शैक्षिक दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। उन्होंने माना कि अंग्रेज़ी से कुछ नुक़सान हुए, लेकिन उसके लाभ भी गिनाए: अंग्रेज़ी ने देश को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई। यह वह काम कर गई जो कभी मुग़ल दौर में फ़ारसी ने किया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेज़ी हमेशा प्रमुख भाषा नहीं रह सकती और भारतीय भाषाओं को उनका उचित स्थान मिलना चाहिए -लेकिन सोच-समझ कर।अमित शाह की टिप्पणी इस सोच-समझ से कोसों दूर है

एस एन साहू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अंग्रेजी के खिलाफ विवादित टिप्पणी से देश में तीखी प्रतिक्रिया हो रही है। उनकी टिप्पणी भारत की भाषाई विविधता को कमजोर करती है और संविधान का उल्लंघन करती है। गृह मंत्री अमित शाह का ये कहना कि "हमारी जिंदगी में वो दिन आएगा जब अंग्रेज़ी बोलने वाले शर्मिंदा महसूस करेंगे... सिर्फ महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर और मौलाना आज़ाद जैसे स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं की विरासत का अपमान नहीं है, बल्कि संविधान का भी खुला उल्लंघन है, जिसमें भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी - दोनों के प्रयोग की स्पष्ट व्यवस्था दी गई है। यह टिप्पणी उन्होंने संविधान के 75वें वर्ष पर की, जिससे इस मौके की गरिमा को ठेस पहुंची। शाह की यह बात, जो नफ़रत फैलाने वाले बयान की सरहद को छूती है, भारत के उस विचार को कमज़ोर करती है जो भाषाई विविधता और सांस्कृतिक बहुलता में निहित है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के गहने हैं और इनके बिना हम "भारतीय" नहीं कहला सकते। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश, उसकी संस्कृति, इतिहास और धर्म को विदेशी भाषाओं में नहीं समझा जा सकता। यह बयान इस सच्चाई को नज़रअंदाज़ करता है कि अंग्रेज़ी जैसी विदेशी भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की गहराई को दुनिया तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गांधी और अंग्रेज़ी में गीता : महात्मा गांधी ने भगवद गीता मूल संस्कृत में नहीं पढ़ी थी। पहली बार उन्होंने इसे लंदन में 'The Song Celestial' नाम की अंग्रेज़ी अनुवाद में पढ़ा, जिसे एडविन अर्नोल्ड ने लिखा था। इस अनुवाद का गांधी पर इतना गहरा आध्यात्मिक प्रभाव पड़ा कि यह उनके जीवन और विचारों को पूरी तरह बदलने वाला अनुभव बन गया - वही विचार जो आगे जाकर स्वतंत्रता संग्राम की नींव बने। सिर्फ़ इसलिए कि वह गीता अंग्रेज़ी में थी, उसका महत्व कम नहीं हो गया। गांधी ने भारतीय भाषाओं की वकालत की, पर साथ ही वे अंग्रेज़ी में भी उत्कृष्टता से लिखते और बोलते थे। 26 जनवरी 1921 को 'यंग इंडिया' में उन्होंने लिखा "मैं चाहता हूं कि हमारे नौजवान लड़के-लड़कियां, जिनमें साहित्यिक रुचि है, वे अंग्रेज़ी या अन्य विदेशी भाषाएं जितनी चाहें, सीखें, और फिर उस ज्ञान का लाभ भारत और दुनिया को दें, जैसे बोस, रे या ठाकुर ने किया। लेकिन मैं नहीं चाहता कि कोई भी भारतीय अपनी मातृभाषा को भूले, नज़रअंदाज़ करे या उससे शर्मिंदा हो। गांधी का यह नज़रिया संकीर्ण राष्ट्रवाद या भाषायी श्रेष्ठता पर नहीं, बल्कि एक समावेशी और वैश्विक सोच पर आधारित था।

ठाकुर और अंग्रेज़ी : रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कभी औपचारिक रूप से अंग्रेज़ी नहीं पढ़ी थी, लेकिन उन्होंने अंग्रेज़ी में निबंध उतनी ही उत्कृष्टता से लिखे जितनी बांग्ला में कविताएं, नाटक और अन्य रचनाएं। साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक English Writings of Tagore उनकी अंग्रेज़ी लेखनी की गहराई और सौंदर्य को दर्शाती है। आज भी उन्हें बांग्ला साहित्य के लिए याद किया जाता है, लेकिन उनकी रचनाएं देश-विदेश में कई भाषाओं में पढ़ी और सराही जाती हैं।

मौलाना आज़ाद और अंग्रेज़ी : मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने भी कभी अंग्रेज़ी की औपचारिक शिक्षा नहीं ली थी, फिर भी उन्होंने इस भाषा के महत्व को पूरी तरह समझा। उन्होंने लिखा: "चाहे अंग्रेज़ी भाषा हमारे जीवन में जैसे भी आई हो, यह तथ्य है कि इसने पिछले डेढ़ सौ वर्षों से हमारे मानसिक और शैक्षिक दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। उन्होंने माना कि अंग्रेज़ी से कुछ नुक़सान हुए, लेकिन उसके लाभ भी गिनाए: अंग्रेज़ी ने देश को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई। यह वह काम कर गई जो कभी मुग़ल दौर में फ़ारसी ने किया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेज़ी हमेशा प्रमुख भाषा नहीं रह सकती और भारतीय भाषाओं को उनका उचित स्थान मिलना चाहिए झ लेकिन "सोच-समझ कर"।

संविधान का उल्लंघन : अमित शाह की टिप्पणी इस "सोच-समझ" से कोसों दूर है और सीधे संविधान के खिलाफ़ है। अनुच्छेद 120 के अनुसार सांसद हिंदी, अंग्रेज़ी या अपनी मातृभाषा में बोल सकते हैं। राज्यों की विधानसभाओं में भी अंग्रेज़ी में बोलने की अनुमति है। अनुच्छेद 348 कहता है कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में अंग्रेज़ी का प्रयोग किया जा सकता है, और सभी विधेयकों और अधिनियमों के आधिकारिक दस्तावेज़ अंग्रेज़ी में होंगे। यहां तक कि संविधान संशोधनों के अनुवाद की भी व्यवस्था है झ जो मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान, जब विपक्ष ने संविधान को बचाने की बात की, तब शाह ने धर्मनिरपेक्षता की बात की और कहा कि यह शब्द संविधान की प्रस्तावना से नहीं हटेगा। अब जब उन्होंने अंग्रेज़ी की आलोचना की है, तो क्या वे संविधान से अंग्रेज़ी के हर ज़िक्र को हटाने का साहस दिखाएंगे?

भारत की असली ताक़त विविधता : शाह को "एक राष्ट्र, एक संस्कृति" की पुरानी सोच से आगे बढ़ना चाहिए। भारत की असली पहचान उसकी विविधता में है - और इसमें भाषाई विविधता भी शामिल है। भारतीय भाषाएं, अंग्रेज़ी और अन्य विदेशी भाषाएं - सभी ने मिलकर भारत की सभ्यतागत विरासत को समृद्ध किया है।

(एस. एन. साहू भारत के राष्ट्रपति के. आर. नारायणन के विशेष कार्य अधिकारी रहे हैं।)

संपादकीय

भारत की भूमिका संदिग्ध

डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के हाथ में सत्ता आ जाने का कितना खतरनाक अंजाम होता है, इसका उदाहरण रविवार को फिर से दुनिया ने देख लिया। इजरायल और ईरान के बीच पिछले 10 दिनों से चल रहे युद्ध में अमेरिका भी कूद पड़ा। ईरान के फोडी, नतांज और एस्पहान इन तीन परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने बम गिराए और वापस लौट गए। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस से राष्ट्र को संबोधित करते हुए इस अभियान को एक 'शानदार सफलता' बताया। साथ ही उम्मीद जताई कि उनका यह क़दम एक स्थायी शांति का रास्ता खोलेगा, जिसमें ईरान के पास परमाणु शक्ति बनने की संभावना नहीं रहेगी।

अभी गुरुवार तक ट्रंप कह रहे थे कि वो दो हफ्ते तक विचार करेंगे, इसके बाद कोई फैसला लेंगे। इससे पहले कनाडा से लौट कर ट्रंप ने ईरान को बिना शर्त समर्पण करने कहा था। ट्रंप को लगा होगा कि ऐसी घुड़की काम कर जाएगी, लेकिन ईरान की तरफ से सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने भी बता दिया कि ईरान सरेंडर करने वाली कौम नहीं है। खामनेई ने यह भी कहा कि मुझे मारकर भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि ये युद्ध ईरान की सेना, उसके युवा लड़ रहे हैं। खामनेई को ऐसा वक्तव्य शायद इसलिए देना पड़ा क्योंकि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुले आम उन्हें मारने की धमकी दी। दुनिया में बहुत से बड़े युद्ध हुए हैं, लेकिन किसी देश के नेता ने दुश्मन देश के नेता की हत्या की धमकी दी हो, इसके उदाहरण कम हैं। युद्ध में एक देश, दूसरे देश को मात देने की बात करता है, गुंडों की तरह हत्या की नहीं। मगर अमेरिका और इजरायल ये दोनों इस समय पूरे दुनिया में अपनी गुंडागर्दी चलाते दिख रहे हैं और इनकी वजह से फिर विश्व युद्ध का खतरा खड़ा हो गया है। विडंबना ये है कि ट्रंप और नेतन्याहू कहते हैं कि शक्ति से ही शांति आएगी। यानी अब विश्वशांति की परिभाषा भी इनके हिसाब से लिखी जाए, ऐसा माहौल बनाया जा रहा है। इसके बाद अगर ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिल भी जाए, तो क्या आश्चर्य। जब शांति के तकाजे बदल रहे हैं तो फिर गुंडों को ही रक्षक और शांतिदूत माना जाएगा।दुख की बात ये है कि इस पूरे प्रकरण में भारत की भूमिका दुनिया की निगाह में संदिग्ध हो रही है।

नारी जब सिंहनी बनी: गोंडवाना की अमर प्रहरी रानी दुर्गावती

प्रो. आरके जैन

भारतीय इतिहास की वीरगाथाओं में कुछ नाम ऐसे हैं, जो समय की धूल में कभी धूमिल नहीं होते। वे न केवल अपने युग की प्रतीक होती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर अमर हो जाती हैं। ऐसी ही एक नाम है रानी दुर्गावती-एक ऐसी वीरांगना, जिन्होंने अपने साहस, स्वाभिमान और बलिदान से भारत की मिट्टी को गौरवान्वित किया। उनकी गाथा केवल युद्ध और विजय की कहानी नहीं, बल्कि एक नारी के अटल संकल्प, नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम की अमर दास्तान है। रानी दुर्गावती ने यह सिद्ध किया कि जब बात सम्मान और स्वतंत्रता की हो, तो नारी शक्ति किसी भी चुनौती से कम नहीं। उनकी वीरता का आलम यह था कि मुग़ल साम्राज्य जैसी विशाल शक्ति भी उनके सामने ठिठक गई। 1524 में चंदेल वंश के गौरवशाली कालिंजर किले में जन्मीं दुर्गावती बचपन से ही असाधारण थीं। उनके पिता, राजा कीरत राय, ने उन्हें केवल एक राजकुमारी के रूप में नहीं, बल्कि एक योद्धा के रूप में तैयार किया। उस युग में, जब अधिकांश स्त्रियाँ महलों की चारदीवारी तक सीमित थीं, दुर्गावती ने तलवारबाज़ी, तीरंदाज़ी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल की। उनकी शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वे रणभूमि की चुनौतियों को समझने वाली कुशल रणनीतिकार थीं। उनके हृदय में देश और धर्म के लिए कुछ कर गुजरने की ललक थी, जो उनके हर निर्णय में झलकती थी।

उनका विवाह गोंडवाना के शासक दलपत शाह से हुआ, जो चंदेल और गोंड संस्कृतियों का अनूठा संगम था। यह विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो शक्तिशाली परंपराओं का एकीकरण था। किंतु नियति ने उनके जीवन में एक कठिन मोड़ ला दिया। विवाह के कुछ वर्ष बाद ही दलपत शाह का असामयिक निधन हो गया। उस समय उनका पुत्र वीर नारायण अभी बालक था। सामान्य स्त्री के लिए यह स्थिति टूटने का कारण बनती, पर दुर्गावती ने इसे अवसर में बदला। उन्होंने गोंडवाना की बागडोर अपने हाथों में ली और एक कुशल शासिका के रूप में अपनी पहचान बनाई। रानी दुर्गावती का शासनकाल, जो लगभग 16 वर्षों तक रहा, न केवल गोंडवाना के इतिहास में स्वर्णिम काल था, बल्कि यह एक आदर्श प्रशासन का उदाहरण भी था। उन्होंने कृषि और जल प्रबंधन को बढ़ावा दिया, सड़कों का निर्माण करवाया, और न्याय व्यवस्था को इतना सुदृढ़ किया कि प्रजा उन्हें माता के समान पूजने लगी। उनकी प्रजा के प्रति संवेदनशीलता और निष्पक्षता ने उन्हें एक लोकप्रिय शासिका बनाया। वे केवल राजमहल में बैठकर शासन नहीं करती थीं; वे युद्ध के मैदान में भी उतनी ही प्रखर थीं। उनकी सेना में सैनिकों का मनोबल उनकी उपस्थिति मात्र से दोगुना हो जाता था। लेकिन उस युग में स्वतंत्र रियासतों का अस्तित्व बनाए रखना आसान नहीं था। मुग़ल सम्राट अकबर की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएँ गोंडवाना की ओर बढ़ रही थीं। 1564 में अकबर ने अपने सेनापति आसफ खाँ को गोंडवाना पर आक्रमण करने का आदेश दिया। यह वह क्षण था, जब रानी दुर्गावती के साहस और नेतृत्व की सच्ची परीक्षा हुई। उन्होंने आत्मसमर्पण का रास्ता चुनने के बजाय युद्ध का बिगुल बजा दिया। उनकी सेना संख्या में मुग़ल सेना से बहुत कम थी, पर रानी की रणनीति और सैनिकों का जोश इस कमी को पूरा कर रहा था। नर्इ नाले के किनारे हुए युद्ध में रानी ने स्वयं सेना का नेतृत्व किया। घोड़े पर सवार, धनुष-बाण से सुसज्जित, वे किसी देवी की तरह रणभूमि में उतरीं। उनके प्रहारों ने मुग़ल सेना को हतप्रभ कर दिया। पहले दिन का युद्ध रानी के पक्ष में रहा, पर मुग़ल सेना की विशाल संख्या और निरंतर हमले ने स्थिति को जटिल बना दिया। दूसरे दिन, जब युद्ध अपने चरम पर था, रानी का घोड़ा घायल हो गया। उनके शरीर पर तीरों के घाव थे, और तरकश खाली हो चुका था। फिर भी, उनकी आँखों में हार का कोई भाव नहीं था। जब उन्हें आभास हुआ कि अब जीत संभव नहीं और मुग़ल सेना उन्हें बंदी बना सकती है, तो रानी ने अपमानजनक पराजय को स्वीकार करने के बजाय आत्मबलिदान का मार्ग चुना। 24 जून 1564 को, उन्होंने अपनी कटार से स्वयं को समाप्त कर लिया, पर अपने स्वाभिमान और मातृभूमि के सम्मान को अक्षुण्ण रखा। यह बलिदान केवल एक जीवन का अंत नहीं था; यह एक ऐसी ज्वाला थी, जो आज भी भारत के कोने-कोने में प्रज्वलित है। रानी दुर्गावती की गाथा केवल गोंडवाना तक सीमित नहीं है। वे उस नारी शक्ति की प्रतीक हैं, जो समय की हर चुनौती को ललकार सकती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस और स्वाभिमान की कोई लिंग सीमा नहीं होती। उन्होंने यह दिखाया कि एक स्त्री न केवल घर की नींव संभाल सकती है, बल्कि युद्ध के मैदान में भी तूफान ला सकती है। उनकी स्मृति आज भी मध्यप्रदेश में जीवित है। जबलपुर का रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, उनके नाम पर बने स्मारक, और हर वर्ष 24 जून को मनाया जाने वाला बलिदान दिवस उनकी अमरता का प्रमाण हैं। रानी दुर्गावती का जीवन एक ऐसी कहानी है, जो हर भारतीय के हृदय में गर्व और प्रेरणा का संचार करती है। वे केवल एक रानी नहीं थीं; वे एक विचार थीं, एक संकल्प थीं, और एक ऐसी शक्ति थीं, जो अपने बलिदान से भी अमर हो गईं। आज जब हम उनकी गाथा को याद करते हैं, तो वह हमें सिखाती है कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी विपरीत हों, आत्मसम्मान और देशप्रेम के लिए लड़ना ही सच्चा जीवन है। रानी दुर्गावती का नाम लेते ही हमारा सिर गर्व से ऊँचा हो जाता है, और हमारा हृदय कह उठता है-यह है भारत की वह वीरांगना, जिसने मृत्यु को भी अपने सामने झुका दिया। वे थीं, हैं, और हमेशा रहेंगी-भारत की अमर ज्वाला, रानी दुर्गावती

आधुनिकता की अंधी दौड़ में पारंपरिक रीति-रिवाज व लोक संस्कृति पीछे छूट गयी

विजय गर्ग

हमारे गांव बदल रहे हैं। यह बदलाव कई स्तरों पर देखा जा सकता है। सड़क और रेलमार्गों से जुड़ जाने पर गांवों में न सिर्फ संपर्क बेहतर हुआ, बल्कि जीवनशैली और ग्रामीण परिवेश भी बदला है। गांवों में बिजली आई, जो अपने साथ रोशनी तो लाई ही, टीवी जैसे उपकरणों का माध्यम भी बनी। सड़क और बिजली ने गांवों को शहरों के समांतर खड़ा होकर बराबरी की ओर बढ़ने की कोशिश में बड़ी भूमिका निभाई। अब गांव वैसे नहीं रहे, जैसे तीन-चार दशक पहले थे। यकीनन, इस बदलाव को सकारात्मक और विकासोन्मुख कहा जाना चाहिए। गांवों के लोगों को भी साधन संपन्न जीवन जीने का उतना ही अधिकार है, जितना शहर के लोगों का, लेकिन बदलाव हमेशा अपने साथ कुछ अवांछित संदर्भ भी लाता है। ये संदर्भ कई बार सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के कारक बन जाते हैं और हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से दूर ले जाते हैं। गांवों में बिजली आई, तो रोशनी के साथ दुष्प्रभाव भी लाई, जिसके अंधेरे में गांवों की लोक संस्कृति लुप्त होने लगी। बिजली ने गांवों के लोगों की जीवनशैली ही नहीं बदली, बल्कि उनकी सोच में भी बदलाव ला दिया। टीवी ने ग्रामीण जीवन की खिड़की शहर और बड़े नगरों की तरफ खोल दी। रही-सही कसर मोबाइल और इंटरनेट ने पूरी कर दी। ग्रामीण जीवन इससे काफी प्रभावित हुआ। आधुनिकता की होड़ में लोग अपने पारंपरिक रीति- रिवाजों से दूर होते गए। पर्व-त्योहारों लेकर मांगलिक कार्यक्रमों में भी आधुनिकता इस कदर हावी हो गई कि लोग अपनी परंपराओं को बीते जमाने की बात समझने लगे। एक समय गांवों में हर छोटे-बड़े पर्वों से लेकर विभिन्न मौसमों के भी गीत गाए जाते थे। लोग मौसम को सिर्फ आबो-हवा में परिवर्तन की वजह से ही नहीं, बल्कि मन-मस्तिष्क से भी महसूस करते थे। लोकगीत- संगीत लोगों को पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। लेकिन बदलते समय ने सब कुछ बदल दिया। अब फाग, चैती, बैसाखी, कजरी, बारहमासा और झूला गीत सुनाई नहीं पड़ते। नई पीढ़ी इनकी मिठास से वंचित हो रही है। यही नहीं, गांवों में विभिन्न पर्व-त्योहारों और खास अवसरों पर आयोजित होने वाले लोक नाटक भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गए। लोक नाटकों का स्थान आर्केस्ट्रा ने ले लिया। लोक नाटक सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं होते थे, बल्कि सामाजिक समरसता में भी इनकी बड़ी भूमिका होती थी। नाटक का मंच सामाजिक सद्भाव का मंच होता था। आधुनिकता की अंधी दौड़ में लोग आज बहुत आगे निकल गए और पारंपरिक रीति-रिवाज व लोक संस्कृति पीछे छूट गई। गांवों की पाठशाला में बहुत पहले चकचंदा होता था। हालांकि, उस समय और आज के शिक्षा व्यवसाय में आमूल परिवर्तन हो चुका है। तब ज्यादातर स्कूल सरकारी नहीं थे और पाठशाला के गुरुजी को जीविकोपार्जन के लिए उनके शिष्यों से मिलने वाली गुरु दक्षिणा पर ही आश्रित रहना पड़ता था। भाद्रपद चतुर्थी से शुरू होकर दस दिनों तक चकचंदा गांवों में एक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, जिसमें विद्यार्थी घर-घर जाकर गणेश वंदना गाते थे और चकचंदा मांगते थे। यह चंदा गुरुजी को आदर के साथ दे दिया जाता था। इससे गुरु का जीविकोपार्जन होता था। चकचंदा को सिर्फ गुरुजी की दक्षिणा के लिए मांगे जाने वाले लोक और पारंपरिक पर्व के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह पूरे गांव को समन्वित कर एकता के सूत्र में जोड़ता था। यह सही है कि आज गांवों में सरकारी स्कूल हैं और शिक्षक सरकारी मुलाजिम। कोचिंग संस्थान और निजी स्कूल भी खुल गए हैं। निजी शिक्षण संस्थानों को चकचंदा की राशि नहीं, बल्कि भारी-भरकम ट्यूशन शुल्क चाहिए। इसी तरह भाई-बहनों के अटूट प्रेम का एक पर्व है, सामा- चकेवा। महिलाएं इस पर्व में पारंपरिक मैथिली परिधान पहन कर 'सामा चकेवा' नृत्य करती हैं। इसी तरह विदापद नाच और जितिया नाच जैसे पारंपरिक उत्सव अब अपने अंतिम दिन गिन रहे हैं। ढोलक की जोरदार थाप के साथ वीर रस से सराबोर आल्हा गायन भी अब पुराने जमाने की बात हो गई है। रामलीला भी अब अतीत के अंधेरे में गुम होती जा रही है। कुछ दशक पहले तक गांवों में हर वर्ष नियमित रूप से रामलीला मंडली आती थी और दो-तीन हफ्ते तक लोग इसका लुत्फ उठाते थे। मगर, टीवी और ओटीटी की चकाचौंध के आगे गांवों की रामलीला अब लोगों को उबाऊलगने लगी है। इसी तरह, गांवों का विरहा और कठपुतली नाच भी अब बीते जमाने की बात हो गई। आज पीछे मुड़ कर देखने से यह सहज अहसास होता है कि आधुनिकता की दौड़ में हम अपने रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं से इतना दूर हो गए हैं कि अब लौट कर उन्हें अपनाना आसान नहीं है। पर जिन लोक परंपराओं में सांसें बाकी हैं, उन्हें नया जीवन देने की कोशिश अवश्य की जानी चाहिए। क्योंकि, जब लोक संस्कृति है, तभी लोक जीवन में राग-रंग और उमंग रहती है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

गोह पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी दाउदनगर, औरंगाबाद के न्यायालय में लंबित जीआर संख्या 480/19 के मामले में फरार चल रहे तीन आजमानतीय वारंटियों को गोह पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी ग्राम-दुल्ला बिगहा गांव का राज कुमार के पुत्र सुजीत कुमार लोचन बिंद के पुत्र करमु बिंद, एवं करमु बिंद के पुत्र राजकुमार बिंद,शामिल है। गोह थाना की पुलिस ने न्यायालय से निर्गत वारंट के आधार पर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया और उन्हें दाउदनगर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गोह में भारतीय जनसंघ संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) भारतीय जनता पार्टी गोह मंडल द्वारा गोह स्थित पार्टी कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोह मंडल अध्यक्ष उमेश पासवान ने की, जबकि संचालन का दायित्व मंडल महामंत्री विक्कू त्रिपाठी ने निभाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री सुनील शर्मा रहे, जिन्होंने डॉ. मुखर्जी के जीवन, विचारधारा और राष्ट्रहित में किए गए उनके कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से शामिल लोगों में पूर्व जिला मंत्री भोला यादव,संतोष कुमार सिंह,प्रमोद सिंह,सावित्री देवी,नीलू देवी,विनोद चंद्रवंशी,रणधीर पासवान,श्रीकांत शर्मा,उमा पासवान,मोहर लाल मिश्रा सहित कई स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

देवकुंड पुलिस ने नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद कर अपहरण आरोपी को किया गया गिरफ्तार

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

देवकुंड (औरंगाबाद) देवकुंड थाना क्षेत्र में दर्ज थाना कांड संख्या 14/25 में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपहृत नाबालिग लड़की को अरवल जिला से सकुशल बरामद कर लिया है। नवालिग देवकुंड थानाक्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। बरामदगी के साथ ही पुलिस ने इस मामले में अपहरण के आरोपी विधि विरुद्ध बालक (नाबालिग) को भी हिरासत में लिया है। आरोपी की उम्र लगभग 17 वर्ष है और वह मेहंदिया,थानाक्षेत्र की निवासी है। पुलिस ने आरोपी को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायिक बाल सुधार गृह भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है और मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि नाबालिग से संबंधित मामलों में पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई की जा रही है और नियमानुसार पीड़िता व आरोपी दोनों की पहचान गोपनीय रखी जा रही है। पुलिस की इस तत्परता की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

जिले की पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की

2 IED बरामद कर नाकाम किया मंसूबा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) बरामद कर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। यह कार्रवाई नक्सलियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे लगातार एंटी-नक्सल अभियान का हिस्सा है। दिनांक 23 जून 2025 को मिली गुप्त सूचना के आधार पर औरंगाबाद पुलिस की टीम और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की टीम ने संयुक्त रूप से गोवर्धन पहाड़ी क्षेत्रों के आस-पास कुछ चिन्हित स्थानों पर अभियान चलाया। इस सघन अभियान के दौरान, मदनपुर थाना अंतर्गत गोवर्धन पहाड़ी से 01 प्रेशर IED और 01 कमांड IED बरामद किए गए। बरामद किए गए इन खतरनाक IEDs को तत्काल मौके पर ही सुरक्षात्मक तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। औरंगाबाद एसपी ने बताया कि पुलिस बल द्वारा की गई इस संयुक्त कार्रवाई से नक्सलियों का मनोबल काफी गिरा है। औरंगाबाद पुलिस के अनुसार, नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

भव्य साप्ताहिक स्तोत्र पाठ का किया गया आयोजन

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सनातन धर्म की परंपराओं का निर्वहन करते हुए ओजस मागधी मंच के तत्वावधान में 16 जून से 22 जून तक अनवरत विविध स्तोत्रों का ऑनलाइन पाठ किया गया। इनमें प्रस्तुतकताओं के द्वारा गणेश पंचरत्न स्तोत्र, गंगाधर स्तोत्र, रुद्राष्टक, कनकधारा स्तोत्र, शिव तांडव स्तोत्र, राधा कृपा कटाक्ष स्तोत्र और मंगल गीत की प्रधानता रही। गयाजी से वाणी वंदना, गणेशदत्त मिश्र, कुंदन कुमार मिश्र, औरंगाबाद से चंदन कुमार पाठक,अजय कुमार पाठक और पटना जिला बिक्रम से श्रेया मिश्रा की भावपूर्ण लयात्मकता प्रस्तुति दी गई।ओजस मागधी मंच के अध्यक्ष डॉ हेरम्ब कुमार मिश्र ने बताया कि लोगों में संस्कारों के विकास के लिए और उन्हें आध्यात्मिक भावनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस मंच का यह एक प्रयास है जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।सचिव उदय भास्कर ने कहा कि यह मंच आध्यात्मिक, साहित्य और संगीत के माध्यम से संस्कारों के प्रसारीकरण के लिए सदैव अग्रसर है।मंच के मुख्य संरक्षक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि ओजस मागधी मंच शुरू से ही संस्कारों के साथ-साथ सदस्यों एवं इससे जुड़े लोगों में सांगीतिक और सांस्कृतिक भावनाओं के विकास के लिए तत्पर है।कार्यक्रम की सफलता में श्याम सुंदर मिश्र गयाजी, कौशल मिश्र मुंबई, सुशील कुमार मिश्र पुणे, विमल मिश्र कोलकाता, आशुतोष पाठक पटना, मुकुंद वत्स पटना, मनोज कुमार मिश्र औरंगाबाद, दुर्गेश पाठक औरंगाबाद, अजय कुमार मिश्र गयाजी का भरपूर सहयोग रहा।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने अंबुबाची मेला के श्रद्धालुओं के लिए सेवाएं बढ़ाई

मालीगांव, :

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने कामाख्या मंदिर में आयोजित अंबुबाची मेला के दौरान तीर्थयात्रियों की सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इस प्रसिध्द आध्यात्मिक आयोजन के लिए बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ प्रबंधन के लिए कई उपायों की श्रृंखला लागू की गई हैं। बढ़ती यात्री मांग को देखते हुए पू. सी. रेलवे ने कामाख्या और गुवाहाटी स्टेशनों पर विशेष टिकट काउंटर स्थापित किए हैं। ये अतिरिक्त काउंटर चौबीसों घंटे चालू रहेंगे, ताकि तीर्थयात्रियों को त्वरित और बिना किसी व्यवधान के टिकट मिल सके। श्रद्धालुओं की सहायता हेतु, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे महिला कल्याण संगठन (एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव की अगुवाई में कामाख्या स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में भोजन और पेयजल का वितरण किया जा रहा है। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सेवा सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छतापूर्वक तैयार भोजन के पैकेट और पानी की बोतलें वितरित की जा रही हैं। इसके अलावा, अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पू. सी. रेलवे द्वारा दो जोड़ी विशेष अनारक्षित ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। पहली, ट्रेन संख्या 05672/05671 गुवाहाटी झ अलीपुरद्वार जंक्शन झ गुवाहाटी अनारक्षित विशेष होगी। ट्रेन

संख्या 05672 (गुवाहाटी अलीपुरद्वार जंक्शन) 22 से 26 जून, 2025 तक प्रतिदिन गुवाहाटी से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन अलीपुरद्वार जंक्शन 04:00 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 05671 (अलीपुरद्वार जंक्शन गुवाहाटी) 23 से 27 जून 2025 तक प्रतिदिन अलीपुरद्वार जंक्शन से 08:00 बजे प्रस्थान कर उसी दिन गुवाहाटी 16:20 बजे पहुंचेगी। इसके अतिरिक्त, गुवाहाटी झ न्यू जलपाईगुड़ी झ गुवाहाटी अनारक्षित विशेष ट्रेन संख्या 05698/05697 भी यात्रियों के सुविधार्थ चलाई जाएगी। ट्रेन संख्या 05698 (गुवाहाटी झ न्यू जलपाईगुड़ी) 26 जून 2025, गुरुवार को गुवाहाटी से 23:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 08:15 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05697 (न्यू जलपाईगुड़ी झ गुवाहाटी) 27 जून 2025, शुक्रवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 11:15 बजे प्रस्थान कर उसी दिन गुवाहाटी 19:30 बजे पहुंचेगी। पू. सी. रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों और तीर्थ यात्रा केंद्रों पर अतिरिक्त मैनपावर की तैनाती भी सुनिश्चित की है। श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने, व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ नियंत्रण में सहायता के लिए अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी), वाणिज्यिक और तकनीकी कर्मियों को तैनात किया गया है। यात्रियों को जानकारी और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए हेल्प डेस्क और पूछताछ बूथ भी बनाए गए हैं। पू. सी. रेलवे अंबुबाची मेला के दौरान सुरक्षित और सुविधाजनक रेल सेवाएं प्रदान करने को प्रतिबद्ध है और यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे रेल कर्मचारियों के साथ सहयोग करें, ताकि यात्रा का अनुभव सुखद हो सके।

जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में मंडे फॉलोअप बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार

औरंगाबाद :- जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में मंडे फॉलोअप बैठक आयोजित किया गया,इस बैठक में आगामी बिहार विधानसभा निर्वाचन 2025 की तैयारियों एवं जिला स्तर पर संचालित मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। इस बैठक में जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, स्वीप नोडल पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, जीविका, समाज कल्याण, खेलकूद, महिला एवं बाल विकास, नेहरू युवा केंद्र, एनसीसी, तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के समन्वय से मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी और व्यापक स्तर पर संचालित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव, पंचायत, विद्यालय, महाविद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं, ताकि जिले के हर मतदाता तक यह संदेश पहुंचे कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वीप कार्यक्रम केवल औपचारिकता न रहकर जनसरोकारों से जुड़ा, सहभागी और संप्रेषणीय बने, जिससे इसका सीधा प्रभाव मतदान प्रतिशत में वृद्वि के रूप में दिखाई दे। प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं, महिला मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने हेतु विशेष अभियान चलाए जाने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संदेशों को रोचक और संप्रेषणीय स्वरूप में प्रसारित किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता जागरूकता क्लब को सक्रिय किया जाए, तथा विद्यार्थियों को मतदान की प्रक्रिया, एश्ट-श्श्ढअळ के संचालन और मतदाता सूची की जानकारी प्रदान की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वीप कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों जैसे नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, संवाद, रैली, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, शपथ कार्यक्रम आदि को स्थानीय जन सहभागिता से जोड़ा जाए, जिससे इन कार्यक्रमों की गूंज प्रत्येक घर तक पहुंचे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता केंद्रों पर दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। मतदान केंद्रों को आदर्श एवं समावेशी बनाने की दिशा में अब तक की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में स्वीप गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी तथा साप्ताहिक रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजी जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों से यह अपेक्षा व्यक्त की कि वे निर्वाचन को सुचारु, निष्पक्ष एवं भागीदारीपूर्ण बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है जब हर नागरिक न केवल मतदान करे, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करे। अंत में जिलाधिकारी ने विश्वास जताया कि औरंगाबाद जिला, मतदाता जागरूकता एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में राज्य के अन्य जिलों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उच्च मतदान प्रतिशत के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को और सशक्त बनाएगा।

गोह CHC परिसर में जलजमाव से हाहाकार, चिकित्सक-मरीज सब परेशान, बीमारी फैलने का खतरा

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) गोह प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) की हालत इन दिनों बद से बदतर हो गई है। अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर पूरे परिसर में जलजमाव ने डॉक्टरों से लेकर मरीजों तक को बेहाल कर दिया है। बारिश के बाद जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण चारों ओर गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वार पर बना बड़ा गड्ढा अब तालाब का रूप ले चुका है। इस गड्ढे में जमा हरे रंग का बदबूदार पानी आने-जाने वालों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। यह जलजमाव न केवल असुविधा का कारण है, बल्कि यह गंभीर बीमारियों को भी दावत दे रहा है। स्थानीय लोगों और अस्पताल कर्मियों की मानें तो पानी में लगातार मच्छर पनप रहे हैं, जिससे मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचना भी चुनौती भरा हो गया है। कई बार तो एंबुलेंस तक को जलजमाव के कारण अस्पताल परिसर में घुसने में दिक्कत होती है। CHC परिसर में तैनात एक स्वास्थ्यकर्मी ने बताया, हम रोज बदबूदार पानी से होकर अंदर जाते हैं। कई बार मरीज रास्ते में गिर भी चुके हैं। प्रशासन को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली प्रभावित न हो और बीमारियों से भी बचाव किया जा सके।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के सफल एवं व्यवस्थित संचालन हेतु बूथ नंबर 27 मध्य विद्यालय भरथौली मतदान केंद्र का निरीक्षण किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अनुमंडल पदाधिकारी, सदर श्री संतन कुमार सिंह आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के सफल एवं व्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से औरंगाबाद प्रखंड अंतर्गत बूथ संख्या बूथ नंबर 27 मध्य विद्यालय भरथौली मतदान केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अपेक्षित सुविधाओं अर्थात अ२२४१ीं ट्ल्ल्रे४ ॠ३ी२ (अटऋ) की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करना था, ताकि निर्वाचन दिवस पर मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सुगमतापूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, बिजली, प्रकाश, छाया, बैठने की व्यवस्था तथा मतदान केंद्र की समग्र स्वच्छता एवं सुलभता की स्थिति का निरीक्षण करते हुए इन सुविधाओं की पूर्णता पर बल दिया। निरीक्षण के क्रम में कई स्थानों पर कुछ आवश्यक सुविधाओं की कमी भी चिन्हित की गई, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोह को स्पष्ट निर्देश दिया कि शेष सभी मतदान केंद्रों का पुनः परीक्षण कराते हुए जहां-जहां सुविधाओं की कमी हो, वहां तत्काल कार्य आरंभ कराया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि निर्धारित समयावधि के भीतर सभी आवश्यक सुविधाएं पूर्णरूपेण उपलब्ध हों। अनुमंडल पदाधिकारी ने यह भी कहा कि मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की सुनिश्चितता मतदाता को न केवल सुविधा देती है, बल्कि उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित भी करती है। यह प्रशासन का उत्तरदायित्व है कि प्रत्येक मतदाता को सम्मानजनक वातावरण में मतदान का अवसर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर कोई भी कमी शेष न रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा विधानसभा चुना व 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुविधायुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण एवं समीक्षा कार्य लगातार जारी रहेंगे ताकि प्रत्येक स्तर पर निर्वाचन आयोग के निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

परीक्षा में अनुपस्थित परीक्षार्थियों के खिलाफ की जाएगी आवश्यक कार्रवाई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना तथा शिक्षा विभाग औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 12वीं वर्ग की त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन बारुण प्रखंड में निर्मित एक मात्र मॉडल स्कूल राजकीय कृत देवबंशी उच्च माध्यमिक विद्यालय सुंदरगंज में प्रारंभ कर दी गई। मॉडल स्कूल के प्रधानाध्यापक डॉ राकेश कुमार सिंह एवं परीक्षा नियंत्रक निरंजय कुमार ने बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा प्राप्त परीक्षा कार्यक्रम के आलोक में परीक्षा संचालन अधिनियम के मानक के अनुसार वर्ग 12वीं में अध्यनरत विज्ञान एवं कला संकाय के छात्र-छात्राओं के लिए त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक निरंजय कुमार ने बताया कि इस संस्थान से विज्ञान संकाय में 120 तथा कला संकाय में 223 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कदाचारमुक्त परीक्षा के संचालन एवं आयोजन हेतु शिवम कुमार, संजय कुमार मेहता, रश्मि मिश्रा, अजीत कुमार एवं अन्य उच्च माध्यमिक के शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया गया है। परीक्षा नियंत्रक निरंजय ने बताया कि 23 जून को भौतिकी, तर्कशास्त्र, रसायन विज्ञान एवं राजनीति विज्ञान, 24 जून को गणित जीव विज्ञान एवं भूगोल, 25 जून को अंग्रेजी तथा हिंदी, 26 जून को उर्दू संस्कृत मनोविज्ञान, 27 जून को अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र, 28 जून को इतिहास तथा 30 जून को गृह विज्ञान की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस संस्थान में नामांकित सभी परीक्षार्थियों को संबंधित विषय के परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। प्रधानाध्यापक डॉ राकेश कुमार ने बताया कि परीक्षा में अनुपस्थित परीक्षार्थी पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा समाप्ति के उपरांत विभाग के द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में परीक्षा संबंधी पूर्ण विवरण तथा उपस्थिति विवरण बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना को समर्पित किया जाएगा।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा,सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना में डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ

हाजीपुर –

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना के डायलिसिस यूनिट में एक नवीन डायलिसिस मशीन का शुभारंभ किया गया । इस नवीन डायलिसिस मशीन के चालू होने से और अधिक किडनी रोग पीड़ित मरीजों को डायलिसिस की सुविधा प्राप्त हो सकेगी । इससे प्रतिदिन पहले से ज्यादा किडनी के मरीज लाभान्वित हो सकेंगे । इस अवसर पर डा. कौशल कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक/नेफ्रो के द्वारा किडनी रोग मरीजों के बारे में जानकारी दी गई और उनके इलाज में डायलिसिस विधि से उनकी स्वास्थ्य में सुधार के बारे में भी अवगत कराया गया । इस अवसर पर प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. यू.के.पेरूमाल, चिकित्सा निदेशक, सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलियटी हॉस्पिटल डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा, मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर श्री जयंत कुमार चौधरी एवं सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं अस्पताल के अन्य चिकित्सकगण उपस्थित थे ।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी हत्या कांड में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। हत्या में शामिल और करीब 12 महीने से फरार चल रहे आरोपित रहमान खान उर्फ जुबेर को पुलिस ने उप्र के हरदोई जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जुबेर वर्ष 2024 में शाहबाद डेयरी इलाके में हुए एक युवक हत्या में शामिल था। सनी को 10 युवकों ने मिलकर बेरहमी से पीटा और चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 30 जून 2024 की रात करीब 10:15 बजे 28 वर्षीय सनी, निवासी शाहबाद डेयरी, को उसके परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर पर कई जगह चाकू के निशान थे, खासकर निचले हिस्सों में गंभीर वार किए गए थे। इस मामले में थाना शाहबाद डेयरी में मुकदमा दर्ज किया गया। डीसीपी के अनुसार जांच में सामने आया कि सनी का झगड़ा अजय उर्फ मोदी नामक युवक से था। उसी ने अपने साथी गुड्डू, डड्डू, चेतन, दीपक उर्फ दीपु, रोशन, प्रकाश, सागर और रहमान उर्फ जुबेर के साथ मिलकर सनी की हत्या की थी। घटना के बाद से जुबेर फरार था।क्राइम ब्रांच की टीम को इस मामले की जांच सौंपी गई थी।

अनियंत्रित तेज रफ्तार टेंपो ने छह लोगों को मारी टक्कर

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में अनियंत्रित तेज रफ्तार टेंपो ने डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए सड़क के दूसरी ओर जाकर छह लोगों को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इससे पहले टेंपो सड़क पर खड़ी एक कार से टकरा गई और इससे उसकी रफ्तार कुछ कम हो गई। घायलों में एक ही परिवार के छह लोग शामिल हैं जो हादसे के वक्त गली के नुक्कड़ पर खड़े हुए थे। घायल हालत में 27 वर्षीय नूरी, 55 वर्षीय अफसारी, 25 वर्षीय हसीन उर्फ सोनू, 18 वर्षीय महक, 25 वर्षीय फूलबी व 11 वर्षीय अयान को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से हालत गंभीर होने के चलते उन्हें लोक नायक अस्पताल भेज दिया गया। अस्पताल में नूरी की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य घायलों को अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। उनका कहना है कि सड़क पर अगर कार न खड़ी होती तो उनका बच पाना मुश्किल था। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और लोगों ने आरोपी टेंपो चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया।गिरफ्तार टेंपो चालक की पहचान अनुज चौहान के रूप में हुई है। घायलों का दावा है कि शराब के नशे में आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया है।

परिवहन मंत्री ने की बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने विकासपुरी विधानसभा के बापरोला गांव से हरफूल विहार को जोड़ने वाली पूल वाली सड़क के निर्माण कार्य की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की नाकामियों के वजह से यह सड़क लंबे समय से टूटी पड़ी रही, जिससे इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजाना आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मंत्री पंकज कुमार सिंह एक विकहा कि विकासपुरी विधानसभा में रहने वाले लाखों लोगों के सर्वांगीण विकास करने और नागरिकों को शानदार सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए वे रात-दिन काम करने में जुटा है। प्रत्येक नागरिक को सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सके इसके लिए मेरा प्रयास लगातार जारी है। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सड़क का निर्माण का कार्य पूरा हो जाने के बाद बापरोला गांव जी-2 जल विहार, प्रशांत एनक्लेव, बजरंग चौक से लेकर हरफूल विहात तक में रहने वाले लोगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। साथ ही इलाके में कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 3000 से 3500 स्कूली बच्चों को भी रोजाना सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा।

लूट और रंगदारी मांगने के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। हरियाणा के जींद इलाके में 13 जून को ग्रोसरी स्टोर मालिक को गोली मारकर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और बाद में ढाई लाख रुपये लूटने के मामले में आरोपित को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी, दिल्ली निवासी नसीब (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक बरेटा पिस्टल, तीन कारतूस और वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी बरामद की है। आरोपित से पूछताछ कर इसके बाकी साथियों की तलाश की जा रही है। गोली मारने के बाद भी आरोपितों ने पीड़ित से अगले दिन आकर 50 लाख रुपये रंगदारी के वसूलने की बात की थी। घटना की खूब चर्चा हुई थी। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित कौशिक ने बताया कि 13 जून की रात को नरवाना, जींद, हरियाणा इलाके के एक ग्रोसरी स्टोर में चार बदमाश जबरन दाखिल हो गए। स्टोर में उस समय पीड़ित अपने दोस्त के साथ मौजूद था। आरोपितों ने पीड़ित से 50 लाख रुपये रंगदारी की रकम का इंतजाम करने के लिए कहा। मना करने पर एक आरोपित ने पिस्टल निकालकर पीड़ित के पेट में गोली मार दी।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से की बात, मौजूदा हालात पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हवाई हमला किया गया। इस अटैक के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की और उन्होंने क्षेत्रीय तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ÷ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही हाल की तनावपूर्ण घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर चलने तथा क्षेत्रीय शांति,

सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए हमारी अपील को दोहराया। अमेरिका ने भारतीय समयानुसार, सुबह 4:30 बजे ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हमला किया। इस हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान पिछले 40 साल से अमेरिका के खिलाफ काम कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि हमले के पीछे का मकसद ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी को बर्बाद करना था। वहीं, अमेरिका की एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि ईरान ने रविवार सुबह इजरायल पर 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। ईरान के हमलों में तेल अवीव, हाइफा और यरुशलम सहित कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, तेल अवीव और हाइफा में कई विस्फोट सुने गए। इस दौरान इजरायल डिफेंस सिस्टम ने आने वाले प्रोजेक्टाइल को रोकने की कोशिश की। आईडीएफ ने एक बयान में कहा, इजरायली सेना ने इजरायल की ओर आने वाली ईरानी मिसाइलों की एक और सीरीज का पता लगाया है।

उपचार के लिए भारत आए और फिर यहीं रहने लगे, चार बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली जिले की ऑपरेशन सेल की टीम ने चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपित उपचार कराने के लिए भारत आए थे, लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वे यहीं अवैध रूप से रह रहे थे। आरोपित दिल्ली में अवैध रूप से रहने के लिए होटलों का इस्तेमाल कर रहे थे।फिलहाल पुलिस ने आरोपित मोहम्मद रोहन, सुहेल अहमद, अबू कैस और मोहम्मद जुबराज को एफआरआरओ की मदद से बांग्लादेश वापस भेज दिया है। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि इंस्पेक्टर हरि सिंह, इंचार्ज एंटी स्नैचिंग सेल की टीम को बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में सूचना मिली कि वह वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी महिपालपुर क्षेत्र में घूम रहे हैं। एसआई कमल कांत ने सूचना की पुष्टि की और उनकी तलाश में छापेमारी की और टीम ने चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि सभी पकड़े गए लोगों का वीजा समाप्त हो चुका था। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने इलाज के लिए भारत का वीजा लिया था और पुर्तगाल का वीजा प्राप्त किया था। दिल्ली में रहने के दौरान वे कई होटलों में रुके थे। पुलिस ने सभी को पूछताछ के बाद एफआरआरओ को सौंप दिया। जिसके बाद उन्हें बांग्लादेश वापस भेज दिया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के व्यापक सत्यापन पर विचार कर रहा आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर व्यापक सत्यापन अभियान शुरू करने पर विचार कर रहा है। यह कदम मतदाता सूची से संबंधित बार-बार उठाए जा रहे सवालों के मद्देनज़र उठाया जा सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि देशभर में हर वर्ष मतदाता सूची का नियमित पुनरीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त, चुनावों और उपचुनावों से पहले भी यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। वर्ष 2024 में आयोग को प्राप्त प्रपत्रों के अनुसार लगभग 46.26 लाख मतदाता अपने निवास स्थान से स्थानांतरित हुए, 2.32 करोड़ ने संशोधन के लिए आवेदन किया और 33.16 लाख ने पहचान पत्र के प्रतिस्थापन की मांग की। कुल मिलाकर लगभग 3.15 करोड़ परिवर्तनों की आवश्यकता पड़ी। सूत्रों के अनुसार मतदाता सूची की शुद्धता बनाए

रखने की अंतिम कवायद वर्ष 2004 में की गई थी। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले यह अभियान फिर से शुरू किया जा सकता है। सत्यापन की आवश्यकता के पीछे स्थान परिवर्तन, मृत मतदाताओं के नाम हटाना, 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं के नाम जोड़ना, विवरणों में सुधार, मतदान केंद्रों का पुनःनिर्धारण तथा विदेशी नागरिकों की पहचान और नाम विलोपन जैसे कई कारण हैं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 में मतदाता पात्रता और अपात्रता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। आयोग ने बार-बार यह भरोसा दिलाया है कि केवल पात्र नागरिकों को ही मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

उत्तर भारत में माओवादी का नेटवर्क सक्रिय करने की साजिश में एनआईए ने की एक और गिरफ्तारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई (माओवादी) द्वारा उत्तर भारत में अपना नेटवर्क फिर से सक्रिय करने की साजिश के मामले में विशाल सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया। उसके घर से डिजिटल सबूत बरामद हुए। वह बिहार के जंगलों में संगठन की बैठकों में शामिल रहा है। इससे पहले अजय सिंघल को भी पकड़ा गया था। जांच अब भी जारी है। एनआईए के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी विशाल सिंह के पश्चिम दिल्ली स्थित घर से डिजिटल डिवाइस, हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि विशाल सिंह ने 2019 में बिहार के घने जंगलों में सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति की बैठकों में भाग लिया था। उसने बिहार के छकबरबांदा, पंचरुखिया क्षेत्र में संगठन के नेताओं को ड्रोन पहुंचाया और अन्य सदस्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया। एनआईए ने इससे पहले अगस्त 2024 में हरियाणा और पंजाब के स्टेट

ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के प्रभारी अजय सिंघल उर्फ अमन को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था। यह साजिश संगठन की उत्तर भारत में सक्रियता बढ़ाने की योजना से जुड़ी है, जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। संगठन अंडरग्राउंड कैडरों और कुछ ओवरग्राउंड वर्कर्स के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था। एनआईए ने बताया कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र इकाइयों का इस्तेमाल भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की रणनीति के तहत किया जा रहा था। इन्हें संगठन के झारखंड स्थित पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो से धन प्राप्त हो रहा था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया डॉ जीना चहल धनखड़ की पुस्तक 'ही कॉल्स मी मामा' का विमोचन

एजेंसी

नई दिल्ली। ममता और वात्सलय को शब्दों में पिरोना आसान नहीं होता, लेकिन जब एक मां ठान लेती है तो 'ही कॉल्स मी मामा' जैसी पुस्तक की रचना होती है। जिसका टाइटल्स पढ़ते ही हर मां अपने आप इस पुस्तक से जुड़ती चली जाती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ की पुत्र वधु डॉ जीना चहल धनखड़ की पुस्तक 'ही कॉल्स मी मामा' का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि लेखिका डॉ जीना ने अपने अनुभवों को शब्दों में पिरोकर और हर मां को अपनी शानदार स्मृतियों में जाने का अवसर दिया है। मै स्वयं इस इस पुस्तक को पढ़ते पढ़ते अपनी मां की और अपनी पुरानी स्मृतियों में पहुंच गई। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री होने के भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. जीना चहल धनखड़ की पुस्तक "He Calls Me Mama" में 90 से

साथ साथ एक मां भी हूं। इस पुस्तक के विमोचन का सौभाग्य मिला, यह मेरे लिए गौरव की बात है। समारोह में लेखक चंद्रगुप्त कैलाशजी की पुस्तक ÷कर्म विज्ञान÷ का विमोचन अधिक कविताओं का संकलन है, जो मातृत्व की पवित्रता, सच्चाई और सौंदर्य का जीवंत चित्रण करती है। यह केवल एक किताब नहीं, माँ के निःस्वार्थ प्रेम, त्याग, धैर्य और ममता की उस पवित्र यात्रा का शब्दबद्ध रूप है, जिसे हर माँ अपने जीवन में जीती है। माँ बच्चे की पहली गुरु, पहली रक्षक और जीवन की पहली सच्ची मित्र होती है।दिल्ली सचिवालय में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पुस्तक के विषय की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक ममता और वात्सलय का वर्णन एक मां से बेहतर कोई नहीं कर सकता। डॉ जीना ने यह बेहतरीन कार्य किया है, इसके लिए लेखिका बधाई की पात्र हैं। कार्यक्रम में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि उनके भतीजे तेजस की मां और उनकी भाभी डॉ जीना ने ममत्व और वात्सल्य पर पुस्तक लिखकर हर मां को गौरवान्वित किया है। कैसे एक मां अपने बच्चे को हमेशा अपने दिल से जोड़े रखती है। यह पुस्तक में बहुत ही सुंदरता से बताया गया है।

एटीएम धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के अमन विहार थाना पुलिस ने एटीएम में मदद करने के बहाने कार्ड बदलकर लोगों के खातों से पैसे उड़ाने वाले एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी अर्मान खान (27) के रूप में हुई है।

पुलिस ने उसके कब्जे से 79 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड भी बरामद किए हैं। रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन ने बताया कि 16 जून को थाना अमन विहार में ठगी की एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एटीएम में पैसे निकालने में मदद करने के बहाने उसका कार्ड बदल दिया और फिर खाते से धोखे से पैसे निकाल लिए। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया।

टीम ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय सूत्रों से भी जानकारी जुटाई। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपित को उसके ठिकाने से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद अर्मान खान ने पूछताछ में बताया कि वह ऐसे एटीएम बूथों को निशाना बनाता था जहां ज्यादा भीड़ नहीं होती।

वह खुद को मददगार बताकर लोगों से एटीएम कार्ड लेता और उसे चुपचाप बदल देता। फिर बाद में कार्ड का उपयोग कर उनके खातों से पैसा निकाल लेता। वहीं जांच में पता चला है कि आरोपित अर्मान खान इससे पहले भी चोरी और लूट के 4 आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।

मौसम विभाग ने देश भर में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। जून की उमस भरी गर्मी से परेशान होकर आप भी अगर पहाड़ों या किसी अन्य ठंडी जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। मौसम अब करवट ले चुका है। भारत में मानसून की दस्तक के साथ ही अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश की चेतावनी भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 26 जून के बीच देश के उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खास बात यह है कि कुछ राज्यों में तो अगले कुछ दिनों में अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है। आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार 22 जून को गुजरात क्षेत्र के कुछ हिस्सों में, जबकि 23 और 24 जून को मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में 20 सेमी से भी अधिक बारिश हो सकती है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत में भी अगले तीन दिनों तक लगातार भारी बारिश के आसार हैं और उसके बाद अगले चार दिनों तक भी तेज बारिश की संभावना बनी रहेगी। देश के मध्य भारत में पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ जैसे इलाकों में 23 और 24 जून को अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। 22 से 27 जून के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, बिहार, झारखंड, गंगा क्षेत्र का पश्चिम बंगाल और ओडिशा में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इससे यातायात और बिजली जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। देश के पश्चिमी हिस्सों में विशेष रूप से गुजरात, कोंकण और गोवा में 22 से 28 जून के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 22 जून को गुजरात में कई स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की आशंका जताई गई है। इस दौरान मुंबई सहित पश्चिमी समुद्री तटीय इलाकों में जलजमाव और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत की बात करें, तो 23 जून को पूर्वी राजस्थान में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी अगले 5 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलते इन इलाकों में एहतियातन सतर्कता बरतने की जरूरत है। पूर्वोत्तर भारत में भी भारी वर्षा का दौर जारी रहेगा। 22 और 23 जून को असम और मेघालय में, 23 और 24 को अरुणाचल प्रदेश में, जबकि 23 जून को ही नागालैंड और मणिपुर में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों में भूस्खलन और नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। दक्षिण भारत के राज्य भी बारिश के इस दौर से अछूते नहीं रहेंगे।

मुख्यमंत्री कमला नगर में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में बनीं सहभागी

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन किया। मुख्यमंत्री रविवार को दिल्ली के कमला नगर में आयोजित भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा में सहभागी बनी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज रथ यात्रा में सहभागी बनकर मन और आत्मा को अद्भुत शांति, ऊर्जा और आनंद की अनुभूति हो रही है। रथ खींचना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रभु की सेवा और समाज कल्याण का एक दिव्य माध्यम है, जो हमें आत्मिक शुद्धता और सच्चे कर्तव्य पथ की ओर अग्रसर करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अलौकिक रथ यात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं की अद्वितीय शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने महाप्रभु से प्रार्थना कि वे हम सभी को संयम, सेवा और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति और संकल्प को पूरा करने का सामर्थ्य प्रदान करें।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने दी गति, विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में लगाए 501 पौधे

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज कुमार सिंह ने अपने क्षेत्र में हरित अभियान को नई गति दी है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को पूरे विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में 501 पौधे लगाए गए। इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर साझा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, यह सिर्फ पेड़ नहीं हैं, बल्कि हर मां के आशीर्वाद और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक हैं। हमारा संकल्प है कि इस पहल को और भी व्यापक बनाएंगे और विकासपुरी को और अधिक हरा-भरा बनाएंगे। आप सभी से अनुरोध है कि इस मुहिम में सहभागी बनें और कम से कम एक पेड़ मां के नाम पर जरूर लगाएं।

उल्लेखनीय है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 के अंतर्गत भारत सरकार का 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार भी वर्ष 2025-26 में 3 लाख 70 हजार पौधे लगाने

का लक्ष्य रखा है, जिनमें 1 लाख पौधे, 2 लाख झाड़ियां तथा 70 हजार बांस के पौधे स्कूलों में, मैन रोड के आस पास तथा बड़े-बड़े पार्कों आदि स्थानों में लगाएगी। दिल्ली सरकार की ओर से इन सबके अतिरिक्त स्कूल परिसरों में पौधारोपण के पक्ष में जागरूकता अभियान चलाना, प्लास्टिक रहित पौधों (मिट्टी के गमले अथवा बोरी) का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना, रासायनिक उर्वरकों से बचना और पूर्व में लगाए पौधों की देखभाल सुनिश्चित करना भी इस अभियान का हिस्सा है। यह अभियान जून, जुलाई और अगस्त में 3 महीने तक चलाया जाएगा।

दिल्ली में अब नगर निकायों और संबंधित विभागों से पूरी होंगी लाइसेंसिंग प्रक्रिया : मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होटल, मोटेल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, स्वीमिंग पूल, ऑडिटोरियम, वीडियो गेम पार्लर, डिस्कोथेक और मनोरंजन पार्क जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों से संबंधित लाइसेंसिंग प्रक्रिया पुलिस से हटाकर नगर निकायों और संबंधित विभागों को सौंप दी गई है। इससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को गति मिलेगी, व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित होगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने पोस्ट करते हुए बताया कि यह निर्णय न केवल समयानुकूल बल्कि दूरदर्शी, व्यावहारिक और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का हार्दिक आभार। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस पर वर्षों से लाइसेंसिंग की जिम्मेदारी का अतिरिक्त बोझ था, जिससे उनकी मूल कानून-व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियां प्रभावित हो रही थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के

विजन के अनुरूप हमारी सरकार हमेशा 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'' के सिद्धांत पर काम करती रही है और यह निर्णय उसी का प्रतिफल है। यह दिखाता है कि केंद्र, उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार जनहित को सर्वोपरि रखकर एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा इससे पुलिस को कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा जैसे अहम विषयों पर पूरी तरह ध्यान देने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को विश्वास दिलाया कि अब लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और डिजिटल होगी, जिससे अनावश्यक परेशानियां समाप्त होंगी। इस कदम से दिल्ली को प्रशासनिक रूप से अधिक चुस्त, व्यवस्थित और जवाबदेह राजधानी बनाने की दिशा में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। यह 'विकसित दिल्ली' की दिशा में प्रभावी और कारगर सिद्ध होगा।

स्टॉक मार्केट में समय प्रोजेक्ट सर्विसेज की मजबूत एंट्री, निवेशकों को 10 प्रतिशत से अधिक का फायदो

एजेंसी

नई दिल्ली। ईपीसी सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी समय प्रोजेक्ट सर्विसेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 34 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 6.03 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 36.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में और तेजी आई। बाजार में जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10ः30 बजे ये शेयर 37.50 रुपये के स्तर पर पहुंचा हुआ था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक के कारोबार में 10.29 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। समय प्रोजेक्ट सर्विसेज का 14.69 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 29.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 22.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 69.19 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 15.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

चीन में भीषण गर्मी को देखते हुए चेतावनी जारी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में सोमवार को भीषण गर्मी के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया।बीजिंग मौसम विज्ञान वेधशाला ने यह जानकारी दी। देश में सोमवार और मंगलवार को दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक शहर के मैदानी इलाकों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वे इस गर्मी के दौरान बाहर निकलने से बचें और लंबे समय तक धूप में नहीं रहें। उल्लेखनीय है कि चीन में शुक्रवार को येलो अलर्ट जारी किया गया था और शनिवार दोपहर 3:40 बजे बीजिंग के दक्षिणी इलाके में तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो अब तक देश में सबसे गर्म दिन रहा।

अफगान पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद बरामद

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान के पाकतिया प्रांत में आतंकवाद निरोधक दस्ते ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समकानी जिले के बाहरी इलाके में एक अभियान के दौरान प्रतिबंधित वस्तुओं को जब्त किया गया, जिसमें कलाश्निकोव राइफल, पिस्तौल, ग्रेनेड, बड़ी मात्रा में कारतूस एवं गोलियां तथा अवैध रूप से रखे गए अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और बरामद किए गए सैन्य उपकरणों को संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। इससे पहले, पुलिस ने पिछले सप्ताह पूर्वी लघमन प्रांत में अवैध रूप से हथियार रखने और ले जाने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अब तक देश में सुरक्षा स्थिति को सामान्य करने के प्रयासों के अंतर्गत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

ईरान में इजरायल अपने लक्ष्य की प्राप्ति के बहुत नजदीक :नेतन्याहू

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों एवं मिसाइल कार्यक्रमों को भारी नुकसान पहुंचाने के बाद इजरायल अपने उद्देश्यों को पूरा करने के 'बहुत नजदीक' है। यह जानकारी द टाइम्स ऑफ इजरायल सोमवार को दी। श्री नेतन्याहू ने पहले से रिकॉर्ड संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजरायल, ईरान के 400 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम की जानकारी हासिल कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इजरायल के पास इसके ठिकाने के बारे में दिलचस्प जानकारी है, लेकिन उन्होंने विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने युद्ध की संभावना से इनकार किया लेकिन यह भी कहा कि सभी लक्ष्य पूरे होने तक अभियान जारी रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह पुष्टि की थी कि अमेरिका ने इस्फ़हान, फोर्डो और नतांज़ में ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर सफलतापूर्वक हमला किया। ईरान ने भी इन हमलों की पुष्टि की लेकिन कहा कि इन हमलों में उसके परमाणु अभियान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, क्योंकि उन स्थलों को खाली कर दिया गया था और परमाणु सामग्री को पहले ही हटा लिया गया था।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.62 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान बजाज फाइनेंस को हुआ।इस सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 1,62,288.06 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, बजाज

फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 26,932.78 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 16 जून से 20 जून के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 54,055.96 करोड़ रुपये उछल कर 11,04,469.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 50,070.14 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,82,033.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,503.91 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 15,07,281.79 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 8,433.06 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,73,751.09 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 8,012.13 करोड़ रुपये उछल कर 10,18,387.76 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 3,212.86 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,10,399.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 17,876.42 करोड़ रुपये कम होकर 5,62,175.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 698.9 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी इजाफा होने से 13 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 698.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 696.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.7 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 589.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 42.8 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 86.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.5 करोड़ डॉलर चढ़कर 18.8 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 4.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया।

ट्रेडिंग के नाम पर 4.83 करोड़ रुपये की ठगी, सेबी ने दो आरोपियों पर तीन साल का लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार के नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शिवप्रसाद पट्टिया और अलकेश नरवारे नामक दो व्यक्तियों को निवेशकों से धोखाधड़ी करने के मामले में तीन साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही इन दोनों से 4.83 करोड़ रुपये की अवैध कमाई ब्याज सहित वसूलने का आदेश भी दिया गया है।

बता दें कि सेबी की जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने ऑउट ऑफ द मनी (ओटीएम' ऑप्शंस में फर्जी ट्रेड कर निवेशकों को गुमराह किया। ये लोग व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए निवेशकों को ऑल्गो ट्रेडिंग के नाम पर गारंटी रिटर्न का झांसा देकर उनके ट्रेडिंग अकाउंट का नियंत्रण हासिल कर लेते थे। फिर इन खातों से खुद के नियंत्रण वाले अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर लेते थे। मामले में सेबी ने कहा है कि यह कार्रवाई बस झूठी कमाई रोकने के अलावा, निवेशकों की रक्षा और बाज़ार की ईमानदारी बनाए रखने का संदेश है। जारी बयान में कहा गया

कि अगर कोई भी व्यक्ति नकली व्यवहार, बड़ी कमाई का लालच देकर निवेशकों को ठगने की कोशिश करता है, तो उसे कड़ी कार्रवाई और गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सेबी ने दोनों आरोपियों पर सख्त कर्रवाई किए। इसके तहत सेबी की ओर से.दोनों आरोपियों पर तीन साल तक शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाया गया है। दोनों को ?25 लाख-?25 लाख का जुर्माना भी निर्देशित किया गया है, जो कि 45 दिन में अदा करना होगा। इसके साथ ही सेबी ने इसमें ?4.83 करोड़ की राशि को 12त्न वार्षिक ब्याज सहित फरवरी 2022 से वसूलने का भी आदेश दिया है।गौरतलब है कि शिवप्रसाद पट्टिया और अलकेश नरवारे पर सेबी ने आरोप लगाया है कि यह जोड़ी व्हाट्सएप ग्रुप्स के ज़रिए लोगों को बुलाती थी। उन्हें ऑल्गो ट्रेडिंग यानी कंप्यूटर सिस्टम से स्वचालित ट्रेडिंग करने की सुविधा व गारंटीड रिटर्न का लालच दिया जाता था। इसके बाद वे उन निवेशकों से उनके ट्रेडिंग अकाउंट के लॉगिन डिटेल्स लेकर, उनके नाम पर ओटीएम विकल्पों में ट्रेड करते और पैसा अपने नियंत्रण वाले खातों में ट्रांसफर कर लेते थे। इन्हीं खातों में ?4.83 करोड़ की अवैध कमाई मिली, जिसे सेबी ने जब्त करने का आदेश दिया है।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद कच्चे तेल का भाव 2 फीसदी से ज्यादा उछला

एजेंसी

नई दिल्ल। ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले का वैश्विक बाजार पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की ओर से सप्ताहांत ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को कच्चे तेल के भाव में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई है, जो 80 डॉलर प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया है। आने वाले समय में इसका व?यापक असर भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम पर पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में 2 फीसदी से अधिक की तेजी दिखी है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.92 डॉलर यानी 2.49 फीसदी उछलकर 78.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 1.89 डॉलर यानी 2.56 फीसदी बढ़कर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है

कि ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद करता है, तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ सकता है। दरअसल यह कच?चे तेल के व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के बाद क्रूड ऑयल का भाव बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये, मुंबई में 104.21 रुपये, कोलकाता में 103.94 रुपये और चेन्नई में 100.75 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, डीजल का भाव दिल्ली में 87.62 रुपये, मुंबई में 92.15 रुपये, कोलकाता में 90.76 रुपये और चेन्नई में 92.34 रुपये प्रति लीटर है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्राल और डीजल के दाम में अभी इजाफा नहीं किया है, लेकिन क्रूड ऑयल के दाम बढ़ने पर तेल कंपनियों को पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इंपोर्ट करता है।

घरेलू सर्राफा बाजारों में नरमी का रुख, बीते सप्ताह 930 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में रविवार को 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये से लेकर 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,350 रुपये से लेकर 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज गिरावट दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 850 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। साप्ताहिक आधार पर सोने की कीमत में तो गिरावट आई

है, लेकिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बावजूद चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

व्यापार लाइसेंसिंग प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने का निर्णय ऐतिहासिक : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने विभिन्न तरह के व्यापार को लाइसेंसिंग एवं एनओसी प्रक्रिया से दिल्ली पुलिस को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। खंडेलवाल ने कहा कि इससे दिल्ली के 4 लाख के लगभग छोटे बड़े व्यवसायों को लाभ मिलेगा। प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के इस निर्णय को ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि यह व्यवसाय सुगमता की दिशा में एक शानदार कदम है। व्यापार लाइसेंसिंग प्रणाली से पुलिस की भूमिका को समाप्त करना पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त और प्रभावी प्रशासन की ओर बढ़ने जैसा हैं, जिससे उद्यमियों को सशक्त बनाया जाएगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री का यह निर्णय न केवल अनावश्यक नौकरशाही बाधाओं को समाप्त करेगा, बल्कि पुलिस को भी उनके मुख्य, कर्तव्यों कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध रोकने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा। संशोधित व्यवस्था के अनुसार होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, मोटल, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर, डिस्कोथेक, ऑडिटोरियम और मनोरंजन पार्क जैसे व्यवसायों के लाइसेंस और एनओसी अब शहरी स्थानीय निकायों से जारी किए जाएंगे। व्यापारिक समुदाय पुलिस आधारित लाइसेंस प्रणाली में देरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी इन मांगों को लंबे समय से उठा रहा था।

खाद्य तेलों में उबाल; मूंग दाल और चीनी सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों की जबरदस्त तेजी के साथ ही स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में उबाल आ गया जबकि आवक बढ़ने से मूंग दाल और चीनी सस्ती हो गई वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा सप्ताहांत पर 140 रिंगिट उबलकर 4067 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 6.9 सेंट की बढ़ोतरी लेकर 55.22 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में जबरदस्त तेजी रही। इससे सरसों तेल 183 रुपये, मूंगफली तेल 366 रुपये, सूरजमुखी तेल 512 रुपये, सोया रिफाइंड 329 रुपये, पाम ऑयल 667 रुपये और वनस्पति तेल के भाव 233 रुपये प्रति क्विंटल उछल गए।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16849 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17948 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14102 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13333 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 14666 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मूंग दाल में 250 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9350-9450, उड़द दाल 9300-9400, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़: बीते सप्ताह मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चीनी 300 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कोलकाता मेट्रो ने अपनाई पर्यावरण-अनुकूल ब्रेकिंग तकनीक, कार्बन उत्सर्जन में बड़ी कमी

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो रेलवे ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए अपने ट्रेनों में एक नई टिकाऊ ब्रेकिंग तकनीक रेजेनरेटिव ब्रेकिंग को अपनाया है। इससे न सिर्फ बिजली की बचत हो रही है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी काफी कमी आई है। यह जानकारी रविवार को मेट्रो रेलवे के एक अधिकारी ने दी। रेजेनरेटिव ब्रेकिंग तकनीक में ट्रेन जब ब्रेक लगाती है, तो उसके इलेक्ट्रिक मोटर उल्टी दिशा में काम करते हैं और ट्रेन की गतिज ऊर्जा को दोबारा विद्युत ऊर्जा में बदल देते हैं। सामान्य ब्रेकिंग में यह ऊर्जा गर्मी में बदलकर व्यर्थ हो जाती है, लेकिन इस तकनीक से वह ऊर्जा फिर से काम में लाई जा सकती है। वित्त वर्ष 2024-25 में इन 37 रैकों की तरफ से कुल 1.08 करोड़ यूनिट बिजली रेजेनरेट की गई, जिससे करीब 8.2

करोड़ रुपये की ऊर्जा लागत की बचत हुई है। इस प्रणाली की वजह से 13,500 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई है, जो पर्यावरण के लिहाज से एक बड़ी उपलब्धि है।मेट्रो रेलवे की तरफ से किए गए अध्ययन में पाया गया है कि इस तकनीक से 17 से 20 प्रतिशत तक ऊर्जा दोबारा उत्पन्न की जा सकती है। कोलकाता मेट्रो के प्रवक्ता ने बताया कि यह तकनीक लंदन, टोक्यो और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों की मेट्रो सेवाओं में भी उपयोग में लाई जाती है। कोलकाता मेट्रो एक और पर्यावरण हितैषी कदम के तहत 4 मेगावॉट की एडवांस केमिकल सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी स्थापित कर रही है। यह भारतीय रेल में पहली बार किया जा रहा है। बैटरियों की आपूर्ति हो चुकी है और यह प्रणाली जुलाई 2025 के मध्य तक चालू हो सकती है। रेजेनरेटिव ब्रेकिंग से न सिर्फ ऊर्जा की बचत होती है, बल्कि ब्रेक, पहियों और अन्य हिस्सों की घिसावट भी कम होती है। इससे रखरखाव का खर्च भी घटेगा।

स्टॉक मार्केट में पाटिल ऑटोमेशन की धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। लाइन ऑटोमेशन सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी पाटिल ऑटोमेशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 29.17 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 155 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 162.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 35.63 प्रतिशत का फायदा हो गया। पाटिल ऑटोमेशन का 69.61 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 101.42 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 82.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 258.18 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 44.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 58,00,800 नए शेयर जारी किए गए हैं।

अगले सप्ताह 17 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, पांच शेयर स्टॉक मार्केट में करेंगे एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में जबरदस्त हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 17 नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज और कल्पतरु समेत 6 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष 12 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। अगले कारोबारी सप्ताह में भी 24 को सबसे ज्यादा हलचल रहने वाली है। इस एक दिन में ही मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट मिला कर कुल 6 आईपीओ की लॉन्चिंग होने वाली है। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले तीन आईपीओ में भी इस सप्ताह 24 जून तक बोली लगाने का मौका रहेगा। जहां तक स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं।सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 जून को ही समय एजेसी ज्वेल का 15.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 90 से 95 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 24 जून को कल्पतरु लिमिटेड का 1,590 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 380 से 400 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 36 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।इसी दिन एलेनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेस का 852.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 387 से 414 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। 24 जून को ही मेनबोर्ड के एक और आईपीओ के रूप में ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स का 119 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 67 से 71 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 211 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन श्री हरे-कृष्णा स्पॉन्ज आयरन का 29.91 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 से 91 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसी दिन श्री आईकॉन फैसिलिटेटर्स का 19.11 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 56 से 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है।

22 साल पहले जब अभिषेक बच्चन के साथ टूटी थी

करिश्मा कपूर

की सगाई, तो ऐसी हो गई थी एक्ट्रेस की हालत

जब से करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की डेथ की खबर सामने आई है, उसके बाद से ही एक्ट्रेस के बारे में चर्चा और ज्यादा बढ़ गई है. इसी दौरान अभिषेक बच्चन के साथ करिश्मा के रिश्ते को लेकर एक बार फिर से बात की जाने लगी थी. दरअसल, करिश्मा और अभिषेक एक वक्त पर शादी के बंधन में बंधने वाले थे, यहां तक कि दोनों की सगाई भी हो गई थी. लेकिन, बाद में दोनों के रास्ते अलग हो गए. एक पुराने इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया था कि आखिर वो इस सिचुएशन से कैसे बाहर निकली थीं.साल 2002 में करिश्मा और अभिषेक ने एक-दूसरे से सगाई की थी. सगाई से पहले करिश्मा और अभिषेक ने 5 सालों तक एक-दूसरे को डेट किया था. यहां तक कि करिश्मा को बहू बनाने के लिए बच्चन परिवार भी काफी एक्साइटमेंट दिख रहा था, लेकिन सगाई के बाद दोनों ने अपना रिश्ता तोड़ लिया. अब इसकी वजह क्या था इसका असल खुलासा कभी भी नहीं किया गया, लेकिन, कई तरह की बात सामने आ रही थी, लेकिन दोनों में से किसी के परिवार ने किसी बात की पुष्टि नहीं की.

परिवार ने दिया साथ

सगाई टूटने के कुछ वक्त बाद करिश्मा ने सुभाष झा से इस सिचुएशन के बारे में बात की थी. उन्होंने बताया था कि वो समय उनके लिए काफी दर्दनाक था, साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके पूरे परिवार ने मिलकर उन्हें इससे बाहर निकाला था. एक्ट्रेस ने कहा कि अब समय आ गया है कि मैं बोलूं, इस साल की शुरुआत मेरे लिए दर्दनाक थी. मैं नहीं चाहती कि कोई भी लड़की इससे गुज़रे, मुझे अपने दुख और दर्द से खुद ही निपटना पड़ा. उन्होंने आगे कहा कि समय के साथ सब अच्छा हो जाता है.

किस्मत में है, वो होगा

करिश्मा ने कहा कि हालांकि, मैं बहुत कुछ झेल चुकी हूं, लेकिन जो कुछ भी हुआ है, मैं उससे समझौता भी कर चुकी हूं. मैं बस इतना ही कहूंगी कि जो किस्मत में लिखा है, वह होना ही है. मैं अपनी परेशानियों का सामना करने के लिए मेंटली तौर पर तैयार नहीं थी, लेकिन आपको बस अपने हिसाब से चलना होता है. उन्होंने ये भी बताया कि अगर उनकी फैमिली उनके साथ नहीं होती तो शायद वो इस परेशानी से कभी बाहर नहीं आ पाती.

'जिसकी पूरी दुनिया उजड़ गई हो...' बादशाह क्यों हैं शाहरुख खान? इस मशहूर एक्टर ने बताई पूरी कहानी

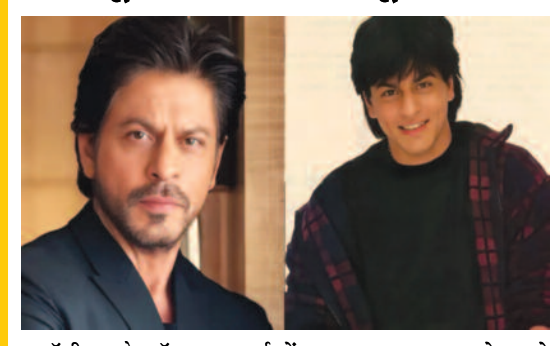

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर्स में शुमार शाहरुख खान ने अपने करियर में फर्श से अर्श तक का शानदार सफर तय किया है. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर का आगाज दूरदर्शन के टीवी सीरियल से किया था. फिर वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए और आज वो सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं. हालांकि ये सफर शाहरुख के लिए काफी संघर्ष भरा रहा है. बॉलीवुड में आने के बाद तो उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. लेकिन, इससे पहले उन्होंने अपनी लाइफ में काफी दुख दर्द झेला है.

शाहरुख खान जब बिल्कुल नए थे तब उन्होंने इंडस्ट्री में आने के लिए काफी पापड़ बेले थे. इसी बीच उन्होंने अपने माता-पिता को भी अपनी आंखों के सामने खो दिया था. शाहरुख के उन हालातों को मशहूर एक्टर मनोज बाजपेयी ने काफी करीब से देखा था. उन्होंने करियर के शुरुआती दिनों में ही शाहरुख के साथ काम भी किया था. एक इंटरव्यू में उन्होंने शाहरुख की कहानी सुनाई थी.

19 साल के थे तब साथ में काम किया

मनोज बाजपेयी ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में शाहरुख संग अपने रिश्ते को लेकर बताया था, शाहरुख और मैं ज्यादा नहीं मिलते हैं, क्योंकि हम दोनों की दुनिया अलग है. जाहिर है कि जब हम 19-20 साल के थे तब हमने एक-डेढ़ साल साथ में काम किया था. वो जान पहचान वो इज्जत एक दूसरे के लिए अभी तक है.

'जिस तरह की दुनिया उसने खड़ी की...'

मनोज ने आगे शाहरुख की तारीफ में कहा था, मुझे बड़ी खुशी होती है उसे उस मुकाम पर देखकर जिस तरह की दुनिया उसने खड़ी की है, जिसकी पूरी दुनिया उजड़ चुकी थी. 26 साल की उम्र में और एक पूरा परिवार जा चुका था, फिर उसने दुनिया खड़ी की. अपना परिवार उसने इतना बड़ा बनाया. मैं उनके आस-पास के सारे दोस्तों में शामिल रहा हूं, जिसने उनके साथ जो सब घटा उसे देखा था.

'वीर जारा' में नजर आए थे मनोज-शाहरुख

शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी साथ में बड़े पर्दे पर भी नजर आ चुके हैं. दोनों ने साथ में 'वीर-जारा' में काम किया था. साल 2004 की इस पिक्चर का डायरेक्शन किया था यश चोपड़ा ने जिसमें शाहरुख के अपोजिट प्रीती जिंटा लीड रोल में थीं. फिल्म में मनोज ने जारा यानी प्रीति जिंटा के मंगेतर रजा शिराजी का किरदार अदा किा था. रजा का किरदार फिल्म का विलेन था.

स्कूल बंक कर आमिर खान से मिलने पहुंची थीं मशहूर एक्ट्रेस, एक्टर ने किया कुछ ऐसा टूट गया दिल

जानी-मानी एक्ट्रेस रानी मुखर्जी शुरु से ही बॉलीवुड के लीजेंड अमिताभ बच्चन की जबरा फैन रहीं हैं. उन्होंने तो अपने एक इंटरव्यू में ये तक कहा था कि उन्हें मौका मिलता तो वो अमिताभ बच्चन से शादी कर लेतीं. इसके अलावा रानी ने ये भी कहा था कि वो बिग बी की पूजा भी करना चाहती थीं. हालांकि अमिताभ के अलावा रानी के फेवरेट हीरो में आमिर खान भी शुमार रहे हैं. आमिर खान से मिलने और उनसे ऑटोग्राफ लेने के लिए तो रानी ने एक बार खुद को भी धोखा दे दिया था. हालांकि जब वो आमिर से मिली थीं तो एक्टर के व्यवहार ने उनका दिल तोड़ दिया था. आइए आपको बताते हैं कि आखिर आमिर, रानी के साथ किस तरह से पेश आए थे ?

आमिर से मिलने के लिए बंक किया स्कूल

आमिर ने साल 1988 की फिल्म 'कयामत से कमायत तक' से डेब्यू किया था. उनकी पहली ही पिक्चर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. तब वो काफी पॉपुलर हो गए थे. उन दिनों रानी स्कूल में थीं और वो भी आमिर को पसंद करती थीं. आमिर पर उनका क्रश था. साल 1989 में जब आमिर अपनी पिक्चर 'लव लव लव' की शूटिंग रानी के स्कूल के पास कर रहे थे तब एक्ट्रेस उनसे मिलने के लिए पहुंची थीं.

आमिर के बर्ताव से टूटा दिल

उस समय रानी सिर्फ दस साल की थीं और वो अपने पसंदीदा हीरो से ऑटोग्राफ लेने के लिए सेट पर पहुंच गई थीं. उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था, मैंने स्कूल बंक किया था और मैं उनके पास गई.

वो मेरे साथ बहुत रूड थे. उन्होंने मेरी बुक ली और साइन किया और मुझे दे दिया. फिर मेरा दिल टूट गया. क्योंकि ऑटोग्राफ देते वक्त आमिर ने रानी की तरफ देखा तक नहीं था. हालांकि बाद में जब दोनों ने साथ काम किया तो दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई.

आमिर-रानी ने इन फिल्मों में शेयर की स्क्रीन

रानी ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत 'राजा की आएगी बारात' फिल्म से की थी. उन्हें अपने करियर में अपने पसंदीदा एक्टर रहे आमिर खान के साथ काम करने का मौका भी मिला. दोनों को साथ में पहली बार साल 1997 की फिल्म 'गुलाम' में देखा गया था. इसके अलावा रानी और आमिर ने 'मंगल पांडे' और 'तलाश' में भी काम किया था.

अनुष्का शर्मा

संग शादी से पहले इस एक्ट्रेस के प्यार में घायल थे विराट कोहली, आज दो बच्चों की मां हैं ये अदाकारा

बॉलीवुड और क्रिकेट का पुराना नाता रहा है. डेटिंग से लेकर शादियों तक क्रिकेटरों और बॉलीवुड हसीनाओं की अफेयर की चर्चा आए दिन होती रहती है. इन दोनों फील्ड्स में जिस जोड़ी का सबसे ज्यादा नाम लिया जाता है वो है विराट कोहली और अनुष्का शर्मा. अनुष्का और विराट को एक पर्फेक्ट कपल के तौर पर जाना जाता है. दोनों ने साल 2017 में शादी की थी और आज दो बच्चों के माता-पिता हैं.अनुष्का और विराट एक दूसरे से एक ऐड के शूट के दौरान पहली बार मिले थे. उसके बाद पहले दोस्ती और फिर प्यार हुआ था. लेकिन एक दूसरे से मिलने से पहले दोनों का और लोगों संग भी नाम जुड़ा था. जहां अनुष्का का नाम शाहिद कपूर, अर्जुन कपूर, रणवीर सिंह और रणबीर कपूर संग जुड़ा वहीं, विराट की एक्स के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं.

कौन हैं एक्ट्रेस इजाबेल ?

पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, अनुष्का से शादी करने और मिलने से पहले विराट एक और बॉलीवुड एक्ट्रेस को डेट कर रहे थे. हालांकि, इस एक्ट्रेस ने बॉलीवुड की बहुत कम फिल्मों में काम किया है. हम बात कर रहे हैं ब्राजीलियन अदाकारा Izabelle Leite की. इजाबेल ने बॉलीवुड की तीन फिल्मों में काम किया. हालांकि, उनकी तीनों ही फिल्मों ने कुछ खास कमाल नहीं दिखाया. अनुष्का और विराट की तरह ही इजाबेल और विराट की भी मुलाकात एक ऐड शूट के दौरान हुई थी.

ऐड शूट के दौरान हुई थी मुलाकात

दोनों सिंगापुर में एक ऐड शूट के लिए मिले थे. इसके बाद दोनों में दोस्ती हुई. विराट और इजाबेल को कई बार एकसाथ स्पॉट किया गया. दोनों ने एक दूसरे के साथ रिलेशन की खबरों को कभी पब्लिक नहीं किया था, लेकिन लगभग 2 सालों तक दोनों साथ थे. इसके बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया था. 2012 में ब्रेकअप के दो साल बाद यानी साल 2014 में बॉलीवुड हंगामा को दिए गए एक इंटरव्यू में इजाबेल ने विराट से रिलेशन और ब्रेकअप की बात मानी थी.